twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | शनिवार, 17 मई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 189, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

'पाक की सरजमीं पर पल रहे आतंक के अजगर को कुचला'

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान में गिराई गई मिसाइलों की गूंज पूरी दुनिया ने सुनी : राजनाथ

नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर स्थगित किये जाने के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को गुजरात के भुज में स्थित वायु सेना स्टेशन पर वीर वायु योद्धाओं का हौसला बढ़ाने के लिए पहुंचे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की सरजमीं पर पल रहे आतंक के अजगर को कुचलने के लिए भारतीय वायु सेना के लिए सिर्फ 23 मिनट काफी थे। हमारी एयर फोर्स एक ऐसी स्काइफोर्स है, जिसने अपने शौर्य, पराक्रम और प्रताप से आसमान की नई और बुलंद ऊंचाइयों को छू लिया है। जितनी देर में लोग नाश्ता-पानी निपटाते हैं, उतनी देर में आपने दुश्मनों का निपटारा कर दिया। आपने दुश्मन की सीमा के भीतर जाकर जो मिसाइल गिराई, उसकी गूंज पूरी दुनिया ने सुनी। रक्षा मंत्री ने कहा कि अभी कल ही मैं श्रीनगर में सेना के अपने वीर जवानों से मिलकर लौटा हूं। कल मैं भारत के उत्तरी भाग में जवानों से मिला। आज मैं भारत के पश्चिमी भाग में वायु योद्धाओं और जवानों से मिल रहा हूं। दोनों ही मोर्चों पर हाई एनर्जी और हाई जोश देखकर आश्वस्त हो गया हूं कि भारत की सीमाएं आप सभी की मजबूत भुजाओं में पूरी तरह से सुरक्षित हैं। भुज का यह एयरबेस 1965 में पाकिस्तान के खिलाफ हमारी जीत का साक्षी रहा है। यह भुज 1971 में भी पाकिस्तान के खिलाफ हमारी जीत का साक्षी रहा है। आज एक बार फिर यह भुज पाकिस्तान के खिलाफ हमारी जीत का साक्षी बना है। इसकी मिट्टी में देशभक्ति की खुशबू है, इसलिए यहां के जवानों में भारत की सुरक्षा का अडिग संकल्प है।

उन्होंने कहा कि सरकार और देश की जनता हर कदम पर, हर स्थिति में आपके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

आतंकवाद का समूल नाश करेंगे: रक्षा मंत्री

राजनाथ सिंह ने कहा कि निश्चित रूप से आईएमएफ से आने वाले एक बिलियन डॉलर के बड़े हिस्से को इसमें इस्तेमाल किया जाएगा। क्या यह अंतरराष्ट्रीय संस्था से अप्रत्यक्ष वित्तपोषण नहीं माना जाएगा? आपने पाकिस्तान में मौजूद आतंकी ढांचे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की मगर पाकिस्तान फिर से इस कोशिश में लग गया है कि ध्वस्त हुए आतंकी ढांचे को फिर से खड़ा किया जाये। वहां की सरकार, पाकिस्तानी आम नागरिकों से लिया गया टैक्स जैश ए मोहम्मद जैसे आतंकी संगठन के आका मसूद अजहर को करीब चौदह करोड़ रुपये देने में खर्च करेगी। रक्षा मंत्री ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि आपके सहयोग से हम इस पूरे क्षेत्र में आतंकवाद का समूल नाश करेंगे, ताकि कल को कोई भारत की संप्रभुता के खिलाफ आंख उठाने की भी हिमाकत न करे। अब हमने साफ कर दिया है कि अगर हमारी संप्रभुता को कोई नुकसान पहुंचाएगा, तो वह प्रहार भी झेलेगा। आतंकवाद का हम मजबूती से और जोरदार तरीके से जवाब देंगे।

ऑपरेशन सिंदूर मोदी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति का प्रतीक: अमित शाह

नई दिल्ली

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को नई दिल्ली के नॉर्थ ब्लॉक में नए मल्टी एजेंसी सेंटर (एमएसी) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अमित शाह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दृढ़ राजनीतिक इच्छाशक्ति, खुफिया एजेंसियों की सटीक सूचनाओं और हमारी तीनों सेनाओं की अचूक मारक क्षमता का अनूठा प्रतीक है।

भारत को अपनी तीनों सेनाओं, सीमा सुरक्षा बल और सभी सुरक्षा एजेंसियों पर गर्व है। केंद्रीय गृहमंत्री ने हाल ही में छत्तीसगढ़-तेलंगाना सीमा पर करेंगट्टालु हिल्स (केजीएच) में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों द्वारा चलाए गए ऐतिहासिक नक्सल विरोधी अभियानों के बारे में कहा कि नक्सलियों के खिलाफ ये ऐतिहासिक अभियान हमारे सुरक्षा बलों के बीच बेहतरीन समन्वय को प्रदर्शित करते हैं। इसी तरह का समन्वय ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी देखने को मिला, जिससे पता चलता है कि हमारी खुफिया एजेंसियों तथा तीनों सशस्त्र बलों द्वारा कार्य को अंजाम देने की प्रक्रिया और सोच में काफी बेहतर समन्वय है। नया एमएसी आज के परिवेश में सामने आ रही जटिल और परस्पर जुड़ी राष्ट्रीय सुरक्षा चुनौतियों से निपटने में सभी एजेंसियों के प्रयासों में तालमेल बिठाने के लिए एक सहज और एकीकृत मंच प्रदान करेगा। शाह ने कहा कि यह नया नेटवर्क आतंकवाद, उग्रवाद, संगठित अपराध और साइबर हमलों जैसे गंभीर खतरों से निपटने के लिए देश के प्रयासों को मजबूत करेगा। उन्होंने नए एमएसी नेटवर्क की सराहना की और रिकॉर्ड समय में हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर से संबंधित कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने पर संतोष व्यक्त किया।

याचिका में दावा- रोहिंग्याओं को निर्वासित करके जबरन समुद्र में फेंका

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने रोहिंग्या शरणार्थियों को जबरन म्यांमार डिपोर्ट करते समय उन्हें अंडमान समुद्र में ड्रॉप करने के आरोपों का याचिकाकताओं से आधार पूछा। जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने याचिकाकताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कॉलिन गोंजाल्वेस से कहा कि ये सब कौन देख रहा था। कौन रिकॉर्ड कर रहा था। आप इसका सबूत लेकर आइए। सुनवाई के दौरान गोंजाल्वेस ने कहा कि 43 रोहिंग्या शरणार्थियों को जिसमें बच्चे, महिलाएं और बीमार, बुजुर्ग भी शामिल थे। उन्हें जबरन म्यांमार डिपोर्ट किया गया है। उन्हें अंडमान समुद्र में ड्रॉप कर दिया गया था, आज वो वार जोन में हैं। तब जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि ये सब कौन देख रहा था। कौन रिकॉर्ड कर रहा था। आप रोज-रोज नई कहानियां लेकर आ जाते हैं। आप जो बता रहे हैं, उसका आधार क्या है। सबूत दिखाइए कि ऐसा हुआ है। रोहिंग्या शरणार्थियों से जुड़े एक मामले पर सुनवाई टलती है, आप दूसरा मामला लेकर आ जाते हैं। कोर्ट ने कहा कि जब देश मुश्किल हालात से गुजर रहा है, तब इस तरह की कहानियां कोर्ट में लाई जा रही हैं। गोंजाल्वेस ने कहा कि याचिकाकर्ता दिल्ली में है और उसके भाई को निर्वासित कर दिया गया है। उसे फोन पर सूचना मिली है, जिसका नंबर सरकार से सत्यापित कराया जा सकता है। तब कोर्ट ने कहा कि अगर आप वाकई इन गरीब लोगों की मदद करना चाहते हैं, तो पहले कोई ठोस जानकारी जुटाइए और फिर हमारे सामने रखिए।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ा

मुंबई

देश का विदेशी मुद्रा भंडार नौ मई को समाप्त हफ्ते में 4.55 अरब डॉलर बढ़कर 690.62 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। इससे पिछले हफ्ते में कुल विदेशी मुद्रा भंडार 2.06 अरब डॉलर घटकर 686.06 अरब डॉलर रह गया था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक मुख्य रूप से स्वर्ण भंडार बढ़ने से देश का कुल विदेशी मुद्रा भंडार नौ मई को समाप्त हफ्ते में 4.55 अरब डॉलर बढ़कर 690.62 अरब डॉलर रहा है।

राष्ट्रपति ने जगद्गुरु रामभद्राचार्य को प्रदान किया ज्ञानपीठ पुरस्कार

नई दिल्ली

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित समारोह में जगद्गुरु रामभद्राचार्य को ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि जगद्गुरु रामभद्राचार्य ने श्रेष्ठता के प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में जगद्गुरु रामभद्राचार्य को ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त करने पर बधाई दी और कहा कि आप अनेक प्रतिभाओं से सम्पन्न हैं तथा आपके योगदान बहुआयामी हैं। आपने शारीरिक दृष्टि से बाधित होने के बावजूद अपनी अंतर्दृष्टि बल्कि दिव्यदृष्टि से साहित्य और समाज की असाधारण सेवा की है। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय साहित्य की सभी भाषाओं में भारतीय मिट्टी की सुगंध स्पष्ट रूप से मौजूद है। यह ज्ञानपीठ पुरस्कार भारतीय साहित्य की इसी महत्ता को दर्शाता है। भारतीय ज्ञानपीठ के इन दो शब्दों में भारत के लोगों के ज्ञान और परंपराओं की मूल एकता व्यक्त होती है। यह एकता भारत के लोगों की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और साहित्यिक एकता की अभिव्यक्ति है। वाल्मीकि, व्यास और कालिदास से लेकर रवींद्रनाथ टैगोर जैसे महान कवियों की रचनाएं एक जीवंत भारत की धड़कन को दर्शाती हैं।

ऑपरेशन सिंदूर पर दुनिया को ब्रीफ करेंगे सांसद, 10 दिनों के लिए रवाना होंगे

नई दिल्ली

पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर पर भारत के सांसद दुनिया को ब्रीफ करेंगे। केंद्र सरकार सभी दलों के चुनिंदा सांसदों को 22 या 23 मई से 10 दिनों के लिए विदेश दौरे पर भेज रही है। ये सांसद अमेरिका, यूके, दक्षिण अफ्रीका, कतर और यूएई जाएंगे। वहां की सरकार को आतंकवाद पर भारत का पक्ष बताएंगे। सूत्रों के हवाले से बताया कि विदेश दौरे पर जाने वाले सांसदों की संख्या का अभी पता नहीं चला है। हालांकि, कुछ नेताओं ने बताया है कि सांसदों की संख्या 30 से ज्यादा हो सकती है। इनमें भाजपा, कांग्रेस, टीएमसी, जदयू, डीएमके, बीजद के सांसदों के शामिल होने की संभावना है।

कांग्रेस से शशि थरूर, मनीष तिवारी, सलमान खुर्शीद और अमर सिंह शामिल होंगे। एनसीपी की सुप्रिया सुले और असदुद्दीन ओवैसी का नाम भी सामने आया है। विदेश मंत्रालय ने सांसदों को विदेश यात्रा के लिए तैयार रहने को कहा विदेश मंत्रालय (टएअ) सांसदों को डिप्लोमेटिक मिशन के लिए रवाना होने से पहले जानकारी देगा। एक पार्टी के नेता ने अपना नाम उजागर न करते हुए बताया कि उन्हें 22-23 मई तक 10 दिनों के लिए रवाना होने के लिए तैयार रहने को कहा गया है।

भाजपा की तरफ से पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर और सांसद अपराजिता सारंगी डेलिगेशन का हिस्सा होंगी।

रक्षा बजट 50 हजार करोड़ रुपये बढ़ाने की तैयारी कर रहा भारत

नई दिल्ली

सूत्रों ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद सरकार ने महसूस किया है कि भारतीय सेनाओं को सामरिक लिहाज से और मजबूत करना और इस्राइल की आयरन डोम जैसी उन्नत वायु रक्षा प्रणालियां उपलब्ध कराने की जरूरत है। यही वजह है कि रक्षा मंत्रालय की तरफ से लड़ाकू विमानों, मिसाइलों आदि की खरीद के लिए रक्षा बजट में 50 हजार करोड़ रुपये की वृद्धि का प्रस्ताव रखा गया है। सूत्रों के मुताबिक, यह राशि हथियार खरीद के अलावा स्वदेशी स्तर पर अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने में इस्तेमाल की जाएगी। हालांकि, रक्षा बजट 2014 से ही मोदी सरकार की प्राथमिकता में शामिल रहा है। भाजपा सरकार के पहले वर्ष 2014-15 में रक्षा मंत्रालय को 2.29 लाख करोड़ रुपये दिए गए थे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस वर्ष 1 फरवरी को पेश 2025/26 के बजट में सशस्त्र बलों के लिए रिकॉर्ड 6.81 लाख करोड़ रुपये निर्धारित किए थे। यह आवंटन 2024-25 के 6.22 लाख करोड़ रुपये की तुलना में 9.2 प्रतिशत अधिक था।

9-10 मई की रात स्वदेशी आकाशतीर एयर डिफेंस सिस्टम ने बदले हालातः रक्षा मंत्रालय का बयान

रक्षा मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि 9-10 मई की रात पाकिस्तान ने बड़ा और संगठित मिसाइल व ड्रोन हमला किया, जिसका निशाना भारतीय सेना और नागरिक ढांचा एक खामोश ताकत 'आकाशतीर' को पेश किया

विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक: भारत की रैंकिंग 159वें स्थान से हुई 151

नई दिल्ली

रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के 180 देशों में किये गए इस वर्ष के सर्वेक्षण के अनुसार विश्व प्रेस स्वतंत्रता सूचकांक में भारत की रैंकिंग पिछले वर्ष के 159वें स्थान से सुधरकर 151 हो गई है। फिनलैंड, एस्टोनिया और नीदरलैंड इस सूचकांक में शीर्ष तीन स्थान पर हैं। सूचकांक में अमेरिका 57वें स्थान पर है, जो पिछले वर्ष की तुलना में दो स्थान नीचे है। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स के सहायक महानिदेशक थिबॉट ब्रुटिन ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमने रैंकिंग को अंतिम रूप देने के लिए दुनियाभर से करीब 5,000 लोगों की प्रतिक्रिया मांगी थी। इनमें नीति निमार्ताओं, पत्रकारों और अन्य हितधारकों समेत विविध समूह शामिल हैं। उन्होंने कहा कि संगठन ने इन उत्तरदाताओं की पहचान उजागर नहीं की है और इस बात पर जोर दिया कि यह विभिन्न विचारधाराओं का प्रतिनिधित्व करने वाला एक विविध समूह हो। भारत में करीब 900 निजी स्वामित्व वाले टीवी चैनल हैं, जिनमें से आधे समाचार चैनल हैं। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने बताया कि 20 से अधिक भाषाओं में लगभग 1,40,000 प्रकाशन प्रकाशित होते हैं। जिनमें करीब 20,000 दैनिक समाचार पत्र हैं, जिनकी संयुक्त प्रसार संख्या 39 करोड़ प्रतियों से अधिक है। रिपोर्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया (29वें), कनाडा (21वें) और चेक गणराज्य (दसवें) जैसे उच्च रैंकिंग वाले देशों में भी कुछ खास लोगों के हाथों में मीडिया का नियंत्रण होना चिंता का विषय है।

इस्कॉन सोसाइटी बेंगलुरू का ही है बेंगलुरु का हरे कृष्ण मंदिर: सुप्रीम

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बेंगलुरु स्थित हरे कृष्ण मंदिर इस्कॉन सोसाइटी बेंगलूरू का ही है न कि इस्कॉन सोसाइटी मुंबई का। जस्टिस एएस ओका की अध्यक्षता वाली बेंच ने कर्नाटक हाई कोर्ट के आदेश को निरस्त करते हुए ये आदेश सुनाया। हाई कोर्ट ने बेंगलुरू में प्रतिष्ठित हरे कृष्ण मंदिर और शैक्षणिक परिसर पर नियंत्रण के लिए इस्कॉन मुंबई के पक्ष में फैसला सुनाया था। दरअसल बेंगलुरु के ट्रायल कोर्ट ने 2009 में बेंगलुरु के हरे कृष्ण मंदिर और शैक्षणिक परिसर को बेंगलुरु इस्कॉन का बताया था। इस आदेश को इस्कॉन मुंबई ने कर्नाटक हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। हाई कोर्ट ने मई 2011 के अपने आदेश में बेंगलुरु के हरे कृष्ण मंदिर और शैक्षणिक परिसर को इस्कॉन मुंबई का बताया था। हाई कोर्ट के इस आदेश को इस्कॉन बेंगलुरु ने जून 2011 में सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी।

श्रम कानून हो प्रो-इंडस्ट्री एवं प्रो-श्रमिक: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को श्रम एवं सेवायोजन विभाग की समीक्षा बैठक में कहा कि श्रमिक और उद्योगपति एक-दूसरे के पूरक हैं, न कि प्रतिस्पर्धी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की औद्योगिक प्रगति तभी संभव है जब श्रम कानूनों को प्रो-इंडस्ट्री और प्रो-श्रमिक दोनों दृष्टियों से संतुलित बनाया जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि श्रम कानूनों का सरलीकरण इस प्रकार किया जाए जिससे उद्योगों को सुविधा मिले, लेकिन यह भी सुनिश्चित हो कि श्रमिकों के शोषण या उनके साथ अमानवीय व्यवहार की कोई संभावना न रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर हाथ को काम देने के लिए हमें उद्योगों को सशक्त करना होगा। उद्योग बंद कर किसी को रोजगार नहीं दिया जा सकता, बल्कि उद्योगों का विस्तार ही अधिकाधिक रोजगार सृजन का माध्यम है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना की स्थिति में श्रमिकों और उनके परिवारों को सुरक्षा मिले, इसके लिए उन्हें सम्मानजनक मानदेय और बीमा सुरक्षा कवच देना अनिवार्य है।

उन्होंने कहा कि श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करते हुए राज्य सरकार का प्रयास है कि उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा श्रमिक-हितैषी और उद्योग समर्थ राज्य बनकर उभरे।

बाल श्रमिकों के पुनर्वास को दें गति

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाल श्रमिकों को केवल आजीविका से नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना और स्पॉन्सर्ड स्कीम्स से जोड़ते हुए उनके पुनर्वासन की दिशा में तीव्र गति से कार्य किया जाए। यह न केवल सामाजिक दायित्व है बल्कि भावी पीढ़ी को सुरक्षित भविष्य देने का दायित्व भी है। मॉडल के तौर श्रमिक अड्डों को करें विकसितः मुख्यमंत्री ने श्रमिक अड्डों को मॉडल के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए, जहां डोरमेट्री, शौचालय, पेयजल, कैंटीन और ट्रेनिंग सुविधाएं उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि कैंटीन में श्रमिकों को 5-10 रुपये में चाय, नाश्ता और भोजन मिले, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों की स्किल मैपिंग कराकर न्यूनतम मानदेय की गारंटी व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह असंगठित कार्यबल को संगठित श्रम शक्ति में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल होगी। विदेश में रोजगार हेतु जाने वाले निर्माण श्रमिकों को न केवल तकनीकी प्रशिक्षण दिया जाए, बल्कि गंतव्य देश की भाषा का भी प्रशिक्षण अनिवार्य किया जाए।

पंजाब पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट का किया भंडाफोड़, तरनतारन से 85 किलो हेरोइन बरामद

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ इस वर्ष की सबसे बड़ी कार्रवाई कर तरनतारन में अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने यहां से 85 किलो हेरोइन बरामद की है। यह नेटवर्क पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के संरक्षण में काम कर रहा था। जिसे यूके का ड्रग हैंडलर लल्ली संचालित करता था। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शुक्रवार को बताया कि भारत में इस नेटवर्क के मुख्य संचालक अमृतसर के गांव भिट्टेवाड़ निवासी अमरजोत सिंह उर्फ जोता संधू है। जिसे पुलिस ने गिफ्तार किया था। इस अमरजोत सीमा पार के तस्करों से ड्रग्स की खेप प्राप्त कर उन्हें पंजाब के विभिन्न हिस्सों में सप्लाई करता था। पुलिस ने अमरजोत की गिरफ्तारी के बाद उसके घर पर डापा मारा था। अमरजोत ने इस नेटवर्क का मुख्य ठिकाना बना घर ही बना रखा था। डीजीपी यादव ने बताया कि पुलिस ने उसके ठिकाने से 85 किलो हेरोइन बरामद की है। इस संबंध में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और आगे की जांच जारी है। डीजीपी ने बताया कि यह नेटवर्क पाकिस्तान से संचालित हो रहा था और इसमें आईएसआई की संलिप्तता के संकेत मिले हैं। पुलिस नेटवर्क के पिछले और आगे के संबंधों की गहराई से जांच कर रही है। एसएसपी तरनतारन अभिमन्यु राणा ने बताया कि इस मामले में सक्रियता से और सुरागों की छानबीन की जा रही हैं। आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां तथा बरामदगी होने की संभावना है।

केजरीवाल ने पंजाब में चल रहे ड्रग्स के खिलाफ युद्ध के बीच 'नशा मुक्ति यात्रा' की घोषणा की

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब में चल रहे ड्रग्स के खिलाफ युद्ध के बीच शुक्रवार को 'नशा मुक्ति यात्रा' की घोषणा की। जिसे राज्य में नशीली दवाओं के दुरुपयोग को खत्म करने के लिए सरकार ने शुरू किया। इस प्रयास में उनके साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी होंगे। उन्होंने कहा कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग और नशीली दवाओं की बिक्री के खिलाफ लोगों के संकल्प को मजबूत करने के लिए 'नशा मुक्ति यात्रा' पंजाब के प्रत्येक गांव और वार्ड तक पहुंचेगी। आआपा के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि आज से पंजाब में नशा मुक्ति यात्रा शुरू हो रही है। यह यात्रा पंजाब के हर गांव और हर वार्ड में जाएगी। इस यात्रा के जरिए अब लोगों को नशा मुक्ति अभियान से जोड़ा जाएगा। हर गांव और हर वार्ड में लोग शपथ लेंगे कि वे खुद नशा नहीं करेंगे। इलाके में किसी को नशा नहीं बेचने देंगे और नशे के आदी लोगों का इलाज कराएंगे और उन्हें नशे की लत से बाहर निकालेंगे। केजरीवाल ने कहा कि पंजाब सरकार ने नशे के आदी लोगों के इलाज के लिए बड़े पैमाने पर इंतजाम किए हैं। पंजाब परिवार के तीन करोड़ सदस्य अब यह सुनिश्चित करेंगे कि वे पंजाब से नशे की लत को खत्म करें।

आईसीजी ने समुद्र में डूबे मालवाहक जहाज के चालक दल को सुरक्षित बचाया

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने मैंगलोर से लगभग 60-70 समुद्री मील दक्षिण-पश्चिम में डूबे मालवाहक जहाज एमएसवी सलामत से चालक दल के छह सदस्यों को सफलतापूर्वक बचाया है। इन सभी को प्राथमिक उपचार के बाद सुरक्षित रूप से न्यू मंगलौर पोर्ट लाया गया है, जहां बचाए गए चालक दल से बातचीत करके जहाज के डूबने की परिस्थितियों का पता लगाया जाएगा। स्थानीय अधिकारी बचाए गए चालक दल के साथ बातचीत करके जहाज के डूबने की परिस्थितियों का पता लगाएंगे। आईसीजी के कमांडर अमित उनियाल ने बताया कि मालवाहक जहाज एमएसवी सलामत 12 मई को मंगलौर बंदरगाह से रवाना होकर लक्षद्वीप के कदमत द्वीप के रास्ते सीमेंट और निर्माण सामग्री का मिश्रित माल ले जा रहा था। यह जहाज 14 मई को सुबह 5:30 बजे मैंगलोर से लगभग 60-70 समुद्री मील दक्षिण-पश्चिम में पानी में डूबने लगा और अंततः डूब गया। जहाज पर सवार चालक दल के छह सदस्य अपनी जान बचाने के लिए समुद्र में कूद गए और छोटी नाव में चढ़ गए। समुद्र से गुजर रहे पारगमन जहाज एमटी एपिक सुसुई ने कर्नाटक के सुरथकल के तट से लगभग 52 समुद्री मील दूर छह जीवित लोगों के साथ एक छोटी नाव को बहते हुए देखा।

'ऑपरेशन सिंदूर' खतरे की वह लाल लकीर है, जो भारत ने आतंकवाद के माथे पर खींच दी : राजनाथ सिंह

श्रीनगर के बाद भुज एयरबेस पर रक्षा मंत्री ने वायु योद्धाओं का हौसला बढ़ाया

एजेंसी

भुज । रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुजरात के भुज एयर बेस से भारतीय वायुसेना के जवानों को संबोधित करते हुए पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान को एक बार फिर चेताया और कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ है। जो कुछ भी हुआ, वह सिर्फ एक ट्रेलर मात्र था। जब सही समय आएगा, हम पूरी पिक्चर भी दुनिया को दिखाएंगे। रक्षा मंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सेना को सफलता की बधाई देते हुए कहा कि मैं बस इतना कहूंगा कि आपके पराक्रम ने यह दिखा दिया कि यह वो सिंदूर है, जो श्रृंगार का नहीं, बल्कि शौर्य का प्रतीक है। यह वो सिंदूर है, जो सौंदर्य का नहीं, बल्कि संकल्प का प्रतीक है। यह सिंदूर, खतरे की वह लाल लकीर है, जो भारत ने अब आतंकवाद के माथे पर खींच दी है। मैं इस अवसर पर, आप सभी के साथ-साथ, देश की जनता का भी आभार प्रकट करता हूं। भारत की जनता ने, एकजुटता और समझदारी का परिचय देते हुए, आपका सहयोग किया। इस लड़ाई में न केवल सरकार, आर्म्ड फोर्सेज और सुरक्षाबल एकजुट थे, बल्कि भारत का हर नागरिक, एक सिपाही की तरह इसमें भागीदार बना। उन्होंने कहा कि हम, हमारे आराध्य श्रीराम के उस मार्ग का अनुसरण करते हुए आगे बढ़ रहे हैं, जिसमें वह आसुरी शक्तियों के विनाश का प्रण लेते हैं। ÷निसिचर हीन करउँ महि, भुज उठाइ पन कीन्ह।÷ अर्थात जिस प्रकार भगवान राम ने, अपनी भुजाओं को उठाकर, धरती को राक्षस विहीन करने का प्रण लिया था। ठीक उसी प्रकार, प्रभु श्री राम के आदर्शों का पालन करते हुए, हमने भी आतंकवाद को, जड़ से खत्म करने का संकल्प लिया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ÷आपने पाकिस्तान में मौजूद आतंकी बुनियादी ढांचे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की है लेकिन, पाकिस्तान इस कोशिश में लग गया है कि ध्वस्त हुए आतंकी ढांचे को फिर से खड़ा किया जाए। वहां की सरकार पाकिस्तानी आम लोगों से लिया गया टैक्स जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी जैसे मसूद अजहर को करीब 14 करोड़ रुपए देने में खर्च करेगी। जबकि वह यूएन से आतंकी घोषित हो चुका है। पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से प्राप्त धन का एक बड़ा हिस्सा अपने देश में आतंकवादी बुनियादी ढांचे पर खर्च करेगा, ऐसा मेरा मानना है। भारत चाहता है कि आईएमएफ पाकिस्तान को दिए जाने वाले वित्त पोषण पर पुनर्विचार करे, और आगे भी किसी भी तरह की सहायता देने से आईएमएफ परहेज करे। उन्होंने कहा कि आप सब तो जानते ही होंगे कि भारत में जब भी कोई उपद्रवी तत्व पैदा होता है, जिसको लेकर यह आशंका रहती है कि यह भविष्य में कुछ उपद्रव कर सकता है, तो उसको मजिस्ट्रेट एवं पुलिस द्वारा गुड बिहेवियर के प्रोबेशन पर रखा जाता है। अगर वह व्यक्ति प्रोबेशन के दौरान कोई भी शरारत करता है, तो उसे उचित दंड दिया जाता है। ठीक उसी तरह, वर्तमान सीजफायर में, हमने पाकिस्तान को बिहेवियर के आधार पर अभी प्रोबेशन पर रखा हुआ है। यदि उसका बिहेवियर सुधरता है, तब तो ठीक और यदि बिहेवियर में फिर से गड़बड़ी आती है, तो उसको कड़े से कड़ा दंड दिया जाएगा। मैं फिर से कह रहा हूं, पाकिस्तान को हमने प्रोबेशन पर रखा है। प्रधानमंत्री ने हाल ही में एक बात बहुत साफ कही है कि आतंक पर प्रहार अब न्यू नॉर्मल है। ये न्यू इंडिया का न्यू नॉर्मल है। अब हमने यह साफ कर दिया है कि हमारी संप्रभुता को यदि कोई नुकसान पहुंचाएगा।

मप्र के इंदौर में मेट्रो रेलकर्मियों ने लगाए पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे, प्रधानमंत्री पर की अभद्र टिप्पणी

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में मेट्रो रेलकर्मियों ने पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर अभद्र टिप्पणी करने का मामला सामने आया है। इंदौर शहर के गांधी नगर क्षेत्र में मेट्रो प्रोजेक्ट के एक कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की और 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाए। साथ ही यह भी कहा कि पूरा भारत एक रात में साफ। एक आरोपित युवक की पहचान मोहम्मद जावेद पुत्र किताब अंसारी के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामले में श्री राजपूत करणी सेना की शिकायत पर गांधी नगर थाना पुलिस ने देश विरोधी गतिविधियों और प्रधानमंत्री पर अभद्र टिप्पणी करने को लेकर एफआईआर दर्ज की है। अन्य आरोपितों की तलाश की जा रही है। घटनाक्रम गुरुवार रात का बताया जा रहा है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सामने आए वीडियो में किचन में बैठे दो युवक नजर आ रहे हैं। इनमें से एक खाना बना रहा है और दूसरा तरबूज काट रहा है। एक युवक पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाता है। इसके बाद दूसरा युवक कहता है कि भारत को एक रात में साफ कर देंगे। इसके बाद दोनों हंसने लगते हैं। वहां मौजूद एक तीसरा युवक वीडियो बना रहा था।

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का दावा- डॉ. अंबेडकर मनु स्मृति से नहीं, संविधान से थे असंतुष्ट

वाराणसी। ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि लोग कहते हैं कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने मनुस्मृति को जलाया, मैं स्पष्ट कर दूं कि उन्होंने मनुस्मृति को नहीं जलाया। वह तो संविधान से असंतुष्ट थे और उसको जलाना चाहते थे। शंकराचार्य ने दावा किया कि बाबा साहेब ने मनुस्मृति को नहीं जलाया, वह एक ब्राह्मण गंगाधर सहस्रबुद्धे ने जलाई थी, लेकिन

उस वक्त वो भी वहां मौजूद थे। इसलिए उनका नाम आ गया। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद केदारघाट स्थित श्री विद्यामठ में शुक्रवार को प्रवचन के दौरान बाबा साहेब से जुड़ी अह्म बातों की चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर संविधान जलाना चाहते थे। जब डॉ. अंबेडकर से पूछा गया कि संविधान बनाने में तो आपकी विशेष भूमिका रही है फिर आप उसे क्यों जलाना चाहते हैं। इस पर उनका कहा था, मैंने एक मंदिर बनाया लेकिन उसमें यदि शैतान आकर रहने लगे तो फिर मुझे क्या करना चाहिए? बाबा साहब बाद में खुद संविधान से सन्तुष्ट नहीं थे। शंकराचार्य ने कहा कि मनुस्मृति में तो बिना भेदभाव के सबका धर्म बताया गया है। अम्बेडकरवादी लोगों को बाबा साहेब के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि सनातन ही एकमात्र धर्म है जिसमें यदि बेटा भी कुछ गलत करता है तो उसे भी वही सजा दी जाती है जो किसी अन्य को दी जाती। हर धर्म का एक ग्रन्थ होता है।

इंडिया ब्लॉक को जनता पहले ही नकार चुकी, चिदंबरम जैसे नेता अब समझ रहे: राजीव चंद्रशेखर

एजेंसी

दिल्ली । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने कहा है कि इंडिया ब्लॉक बिखर रहा है। उनके इस बयान पर भाजपा की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने कटाक्ष किया। कांग्रेस की हार का इतिहास याद दिलाते हुए कहा कि उन्हें बहुत देर से गठबंधन की सच्चाई समझ आई। राजीव चंद्रशेखर ने बात करते हुए कहा, 'भारत की जनता बहुत पहले यह निर्णय ले चुकी है। जनता ने 2019 में निर्णय लिया, 2024 में निर्णय लिया। कांग्रेस के कुछ नेता भी अब इसे स्वीकार कर रहे हैं। भाजपा नेता ने आगे कहा, कोई भी राजनीतिक गठबंधन जिसका आधार अवसरवादिता है, भ्रष्टाचार है, जो वंशवाद को बढ़ावा देती है, और जो

सिर्फ प्रधानमंत्री के विरोध के नाम पर बनी है, क्या उसे कभी भी भारत के लोगों का समर्थन मिल पाएगा? भारत की जनता ने भाजपा और नरेंद्र मोदी को एक भरोसेमंद ताकत के रूप में स्वीकार किया है। भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जो देश के मूल्यों में विश्वास करती है और राजनीति को लोगों के जीवन को विकसित करने का जरिया मानती है। प्रधानमंत्री देश के विकास के लिए सातों दिन और चौबीस घंटे काम करते हैं। देश को समृद्ध बनाना, ताकतवर बनाना, उनकी राजनीति का आदर्श है। यही वजह है भाजपा और नरेंद्र मोदी को लगातार जनता का समर्थन मिल रहा है। इंडिया ब्लॉक अपने भ्रष्टाचार को छुपाने और नरेंद्र मोदी का विरोध करने के नाम पर बना गठबंधन है। ऐसे गठबंधन को जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी। पूर्व केंद्रीय गृह और वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने कहा था, इंडिया ब्लॉक का भविष्य उज्जवल नहीं है, मुझे नहीं लगता कि गठबंधन में शामिल दल और नेता एकजुट हैं। यह एक कमजोर गठबंधन लगता है। अगर यह बरकरार रहा तो मुझे बेहद खुशी होगी। मौजूदा समय में देश में बीजेपी से सशक्त कोई दूसरा राजनीतिक दल नहीं है। चिदंबरम के बयान के बाद भारतीय जनता पार्टी हमलावर हो गई है। भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आईएनएस से बात करते हुए कहा, पी चिदंबरम ने कांग्रेस पार्टी को आईना दिखाया है। इंडिया ब्लॉक बिना किसी मिशन, नीति और नेता का गठबंधन है। गठबंधन के सभी दल अपने भ्रष्टाचार को छुपाने और मोदी विरोध के नाम पर एक साथ हैं, लेकिन इनमें एकजुटता नहीं है।

व्यापारियों ने तर्किये के सेबों का बहिष्कार करके देश भक्ति का परिचय दिया : मुख्यमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने व्यापारियों द्वारा तुर्किये की वस्तुओं के बहिष्कार का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ और आतंक के समर्थक देशों के साथ व्यापार और संबंध बंद होने चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापारियों ने तर्किये के सेवों का बहिष्कार करके अपनी देश भक्ति का परिचय दिया है। यह बातें मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को आजादपुर मंडी का निरीक्षण करने के दौरान कही। निरीक्षण के दौरान दिल्ली के श्रम कपिल मिश्रा भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली की सभी मंडियों की हालत बहुत दयनीय है। इन मंडियों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। पिछले 10-15 सालों से इन मंडियों में कोई काम नहीं हुआ।मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने मंडियों को भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया था। उन्होंने कहा कि हजारों

मजदूर और सैकड़ों व्यापारी इन मंडियों में काम करते हैं लेकिन फिर भी यहां न सफाई, न सड़क, न सुरक्षा व्यवस्था है। इन मंडियों में विकास का कोई काम नहीं हुआ है। दिल्ली को लंदन पेरिस बनाने का दावा करने वाली आआपा सरकार ने इन मंडियों को कूड़दान बनाया था।

सेना का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान, सपा नेता का बयान निंदनीय: गौरव भाटिया

एजेंसी

नई दिल्ली । भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने समाजवादी पार्टी पर देश विरोधी और जातिवादी बयानों का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सपा का रवैया न केवल राष्ट्रहित के खिलाफ है, बल्कि यह समाज को बांटने और जातिगत विषैलापन फैलाने का भी प्रयास कर रहा है। गौरव भाटिया ने विंग कमांडर व्योमिका सिंह के अपमान का मुद्दा उठाते हुए सपा नेतृत्व से जवाब मांगा और उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। भाटिया ने कहा, 'पाकिस्तान को हमने सबक सिखाया है, लेकिन दूसरी ओर समाजवादी पार्टी लगातार देश विरोधी बयानबाजी और अब जातिगत टिप्पणियों में लिप्त है। सपा के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव को हमारी बहन, देश की शान विंग कमांडर व्योमिका सिंह का नाम तक नहीं पता। वे उन्हें 'दिव्या सिंह' कह रहे हैं। यह हमारी

सेना और उसकी वीरांगना का अपमान है। सेना का कोई धर्म या जाति नहीं होती, केवल एक धर्म होता है और वह है भारत। फिर भी सपा बार-बार जाति की बात उठाकर समाज को विभाजित करने का प्रयास कर रही है।'भाटिया ने सवाल उठाते हुए कहा, ÷क्या अखिलेश यादव रामगोपाल यादव के खिलाफ कोई कार्रवाई करेंगे? मुझे इसकी कोई उम्मीद नहीं है, क्योंकि सपा की मानसिकता ही देश विरोधी और समाज को तोड़ने वाली है। सपा का यह रवैया इसलिए है, क्योंकि वे नहीं चाहते कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति करे।' उन्होंने इंडिया ब्लॉक पर भी तीखा हमला बोला। भाटिया ने कहा, 'यह गठबंधन वास्तव में एक 'ठगबंधन' था, जो भारत विरोधी मानसिकता की प्रयोगशाला में तैयार हुआ। इसका एकमात्र उद्देश्य पीएम मोदी को गाली देना और देश को कमजोर करना था। इसमें न नीति थी।

सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को 25 प्रतिशत डीए भुगतान का अंतरिम आदेश दिया

सुवेंदु अधिकारी ने बताई कर्मचारियों की बड़ी जीत

एजेंसी

नई दिल्ली/कोलकाता । सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को राज्य कर्मचारियों को 25 प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) का बकाया भुगतान करने का अंतरिम आदेश जारी किया। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने यह आदेश देते हुए सरकार को तीन महीने के भीतर भुगतान पूरा करने का निर्देश दिया। इस आदेश के तहत, पश्चिम बंगाल सरकार को अपने कर्मचारियों को बकाए डीए का 25 प्रतिशत हिस्सा शीघ्र भुगतान करना होगा। मामले की अगली सुनवाई अगस्त में होगी। यह कदम राज्य कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के इस

फैसले पर पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, मैं सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजय करोल और संदीप मेहता के पश्चिम बंगाल सरकार को दिए गए इस निर्देश का स्वागत करता हूं, जिसमें उन्होंने सरकार को तुरंत 25 प्रतिशत बकाया डीए (महंगाई भत्ता) कर्मचारियों को देने को कहा है। उन्होंने आगे लिखा, यह फैसला पश्चिम बंगाल सरकार के कर्मचारियों की बहुत बड़ी जीत है। ये वही कर्मचारी हैं जो लंबे समय से राज्य सरकार की कठोरता और अन्याय के खिलाफ लड़ते आ रहे थे- पहले ट्रिब्यूनल और फिर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचकर। भाजपा से संबद्ध कर्मचारी परिषद (राष्ट्रवादी पश्चिम बंगाल सरकार के कर्मचारियों का संघ) ने इस कानूनी लड़ाई में आगे बढ़कर नेतृत्व किया। इस जीत के लिए संगठन के सभी सदस्यों और पदाधिकारियों को बधाई, जिन्होंने ममता सरकार के दमन के खिलाफ आवाज उठाई।

मुंबई क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई 4 करोड़ की ड्रग्स बरामद, दो सप्लायर गिरफ्तार

एजेंसी

मुंबई । मुंबई क्राइम ब्रांच ने नशे के सौदागरों के खिलाफ कड़ा कदम उठाते हुए एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। क्राइम ब्रांच की यूनिट 5 ने जोगेश्वरी इलाके में दो ड्रग्स सप्लायरों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 2 किलोग्राम एमडी ड्रग्स बरामद किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस ड्रग्स की

कीमत लगभग 4 करोड़ रुपये आंकी गई है। जानकारी के अनुसार, क्राइम ब्रांच की टीम को जोगेश्वरी बस डिपो के पास दो संदिग्ध व्यक्तियों पर शक हुआ। तलाशी लेने पर उनके पास से भारी मात्रा में एमडी ड्रग्स मिला। दोनों आरोपियों के खिलाफ अंबोली पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया गया। मुंबई क्राइम ब्रांच अब इस बात की गहन जांच कर रही है कि यह ड्रग्स कहां से लाया गया था और इसे किन-किन लोगों तक पहुंचाने की योजना थी। पुलिस को शक है कि यह एक बड़े ड्रग्स रैकेट का हिस्सा हो सकता है। बता दें कि पिछले माह अप्रैल में भी क्राइम ब्रांच को मुंबई से सटे मीरा-भायंदर इलाके में एक बड़ी सफलता हाथ लगी थी।

गृहमंत्रालय ने टीएसआर की एक नई बटालियन के गठन को दी मंजूरी

एजेंसी

अगरतला। त्रिपुरा सरकार की मांग को स्वीकार करते हुए गृह मंत्रालय ने त्रिपुरा स्टेट राइफल्स (टीएसआर) की एक और इंडिया रिजर्व (आईआर) बटालियन के गठन को मंजूरी दे दी है। अब तक टीएसआर में 13 बटालियन हैं जो देश भर में उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं जिनमें खासकर चुनाव ड्यूटी, आतंकवाद विरोधी अभियान और ओएनजीसी की अन्वेषण गतिविधियों में सुरक्षा संबंधी कार्य शामिल है। गृहमंत्रालय के इस आशय के फैसले की घोषणा करते हुए डॉ. साहा ने कहा ÷ यह त्रिपुरा के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। गृहमंत्रालय ने टीएसआर के लिए एक और इंडिया रिजर्व बटालियन के गठन को मंजूरी दी है जिससे सुरक्षा बढ़ेगी और रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इससे देश का सुरक्षा आधार और मजबूत होगा।

जयशंकर ने की अफगान विदेश मंत्री से बातचीत, आतंक और अफवाह पर चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर ने अफगानिस्तान के कार्यकारी विदेश मंत्री मौलवी अमीर खान मुत्ताकी के साथ सीधे बातचीत की। बातचीत में डॉ जयशंकर ने अफगानिस्तान द्वारा हाल ही में हुए पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करने की सराहना की। डॉ जयशंकर ने कहा कि भारत और अफगानिस्तान के बीच पारंपरिक मित्रता का संबंध है और उन्होंने अफगान लोगों की विकास आवश्यकताओं के प्रति भारत के निरंतर समर्थन को रेखांकित किया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि हाल के दिनों में भारत और अफगानिस्तान के बीच अविश्वास पैदा करने के प्रयासों की मौलवी मुत्ताकी द्वारा स्पष्ट रूप से अस्वीकृति महत्वपूर्ण है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने कहा था कि भारत की मिसाइलें अफगानिस्तान के क्षेत्र में भी जाकर गिरी है। इसका अफगानिस्तान ने खंडन किया था। बैठक के दौरान, दोनों पक्षों ने सहयोग के नए तरीकों और अवसरों पर चर्चा की, जिससे भारत और अफगानिस्तान के बीच संबंधों को और मजबूत किया जा सके। इस संवाद ने दोनों देशों के बीच सामंजस्य और विकास के प्रति प्रतिबद्धता को और बढ़ाने का अवसर प्रदान किया।

रेलवे बोर्ड ने कर्नाटक के लिए दो नई रेलवे लाइनों की फाइनल लोकेशन सर्वे को दी मंजूरी

नई दिल्ली। कर्नाटक में रेल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए रेलवे बोर्ड ने दक्षिण पश्चिमी रेलवे (एसडब्ल्यूआर) क्षेत्र के तहत दो महत्वपूर्ण नई रेलवे लाइनों के लिए फाइनल लोकेशन सर्वे (एफएलएस) को मंजूरी दे दी हैरेलवे बोर्ड के अनुसार, पहली प्रस्तावित लाइन अलमट्टी और यादगीर के बीच 162 किलोमीटर तक फैली हुई है। इसकी स्वीकृत सर्वेक्षण लागत 4.05 करोड़ रुपये है। दूसरी 73 किमी लंबी भद्रावती-चिकजाजूर (चन्नगीरी के माध्यम से) रेल लाइन के सर्वे के लिए 1.825 करोड़ स्वीकृत किए गए हैं। इन सर्वेक्षणों की कुल अनुमानित लागत 5.875 करोड़ रुपये है। यह पहल राज्य भर में कनेक्टिविटी बढ़ाने के उद्देश्य से प्रमुख रेलवे परियोजनाओं की योजना और विकास में महत्वपूर्ण कदम है। अलमट्टी-यादगीर लाइन उत्तर कर्नाटक को प्रमुख आर्थिक गलियारों से जोड़ेगी, जबकि भद्रावती-चिकजाजूर लाइन से राज्य के मध्य भागों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। यह पहल राज्य में व्यापार, औद्योगिक विकास और यात्रियों की सुविधा को बढ़ावा देगी।

प्रधानमंत्री ने मत्स्य पालन क्षेत्र को और मजबूत बनाने के उपायों पर की बैठक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गहरे समुद्र में मछली पकड़ने और समुद्री खाद्य निर्यात पर ध्यान केंद्रित करते हुए मत्स्य पालन क्षेत्र की प्रगति और भविष्य की योजनाओं की समीक्षा के लिए एक बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में केंद्रीय मत्स्यपालन मंत्री राजीव रंजन ऊर्फ ललन सिंह और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में लिखा,

मत्स्य पालन क्षेत्र को और मजबूत बनाने के तरीकों पर एक बैठक की अध्यक्षता की। हम इस क्षेत्र को बहुत महत्व देते हैं और इस क्षेत्र से संबंधित बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने के लिए बड़े पैमाने पर काम किया है। हमारे मछुआरों के लिए ऋण के साथ-साथ बाजारों तक अधिक पहुंच सुनिश्चित की है। आज की बैठक में निर्यात को बेहतर बनाने और गहरे समुद्र में मछली पकड़ने पर ध्यान केंद्रित करने के तरीकों पर विचार-विमर्श किया गया।

तुर्किये की ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज की सुरक्षा मंजूरी रद्द

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने तुर्किये की ग्राउंड हैंडलिंग फर्म सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज की सुरक्षा मंजूरी तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी है।नागरिक उड्डयन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने इसका कारण राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में बताया है नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने जारी एक पत्र में कहा है कि ग्राउंड हैंडलिंग एजेंसी श्रेणी के तहत सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को 21 नवंबर, 2022 को मंजूरी दी गई थी। अब बीसीएएस के महानिदेशक को मिलीं शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को दी गई सुरक्षा मंजूरी तत्काल प्रभाव से रद्द की गई है।

रेलवे पुलिस ने गाजियाबाद स्टेशन से अगवा बच्चे को सकुशल बरामद किया, अपहरणकर्ता गिरफ्तार

एजेंसी

नई दिल्ली। रेलवे पुलिस ने गाजियाबाद स्टेशन से अगवा चार साल के बच्चे को सकुशल बरामद कर लिया है। इस मामले में पुलिस ने अपहरणकर्ता सलमान खान को गिरफ्तार किया है। रेलवे पुलिस ने एक बयान में बताया कि 12 मई को एक महिला ने थाना जीआरपी गाजियाबाद में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसके 4 वर्षीय छोटे बच्चे हर्षित को एक व्यक्ति रेलवे स्टेशन गाजियाबाद के प्लेटफॉर्म से अगवा करके ले गया है। शिकायत पर उसी दिन मामला दर्ज किया गया। अपहृत बच्चे को बरामद करने के लिए आरपीएफ व जीआरपी गाजियाबाद की संयुक्त टीम का गठन किया गया। इस विशेष टीम द्वारा बच्चे की बरामदगी के लिए विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की गई। इन्हीं प्रयासों

के अंतर्गत 14 मई को आरपीएफ और जीआरपी गाजियाबाद की संयुक्त टीम ने रेलवे स्टेशन गाजियाबाद से बच्चे का अपहरण करने वाले अभियुक्त को गिरफ्तार कर अपहृत बच्चे को बरामद किया। पकड़े गए व्यक्ति को गिरफ्तार किया और दर्ज मामले में शामिल गिरफ्तार गिए गए अभियुक्त ने पूछताछ में अपना नाम सलमान खान पुत्र मो. मासुख, उम्र 24 वर्ष, निवासी गांव शिमलापर, थाना चाकन, जिला गया, बिहार बताया। अभियुक्त से एक मोबाइल फोन भी बरामद हुआ जोकि अपराधी ने अपहृत बच्चे की माता का चुराया था। अभियुक्त ने बताया कि वह बच्चे की मां से 11 मई को पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पर मिला था। अभियुक्त द्वारा महिला को अकेले देखकर बच्चे को बेचने का मन में विचार आया। उसने सोचा की बच्चे को बेचकर अच्छी धनराशि मिल जाएगी इसीलिए वह महिला के साथ साथ घूमने लगा। 12 मई को जब बच्चे की मां बच्चे को उसे सौंप कर वॉशरूम के लिए चली गयी तो अभियुक्त बच्चे को लेकर चुपचाप स्टेशन से चला गया और बच्चे को बेचने का प्रयास करने लगा। इस बीच वह पुलिस की गिरफ्त में आ गया।

लोकसभा अध्यक्ष ने दी अपने समकक्ष मिल्टन डिक को पुनः निर्वाचन पर बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने ऑस्ट्रेलिया के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स के अध्यक्ष के रूप में मिल्टन डिक के पुनः निर्वाचन पर बधाई दी है। आज डिक के साथ एक टेलीफोनिक बातचीत के दौरान बिरला ने कहा कि मैं ऑस्ट्रेलियाई प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष के रूप में आपके पुनः निर्वाचन पर भारत की संसद की ओर से आपको बधाई देता हूं। आपके नए कार्यकाल के लिए मेरी शुभकामनाएं। इस अवसर पर बिरला ने पहलगाम आतंकवादी हमले पर भारत के साथ एकजुटता के लिए ऑस्ट्रेलिया को धन्यवाद दिया। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत को ऑस्ट्रेलिया के समर्थन की सराहना की। बिरला ने जोर देकर कहा कि दुनिया को आतंकवाद के सभी आयामों को समाप्त करने के लिए एक आवाज में बोलना चाहिए। बिरला ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ऑस्ट्रेलिया के प्रान मंत्री एंथनी अल्बनीज के बीच मित्रता को याद किया और विश्वास व्यक्त किया कि भारत-ऑस्ट्रेलिया द्विपक्षीय संबंध

अल्बनीज़ के इस कार्यकाल के दौरान और गहरे होंगे। बिरला ने कहा कि भारत इस वर्ष बाद में क्वाड और द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन के लिए एंथनी अल्बनीज़ का स्वागत करने के लिए उत्सुक है। उन्होंने उम्मीद जताई कि डिक की अध्यक्षता में भारत-ऑस्ट्रेलिया संसदीय सहयोग नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा और दोनों देशों के बीच संबंध और मजबूत होंगे, जिसमें बहुपक्षीय मंच भी शामिल हैं।

पाकिस्तान के साथ संबंध और बातचीत दोनों हमेशा रहेंगे द्विपक्षीयः जयशंकर

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान के साथ भारत का संबंध और बातचीत हमेशा द्विपक्षीय ही रहेंगे। इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। उन्होंने कहा कि भारत की कार्रवाई केवल पाकिस्तान स्थित आतंकी ठिकानों तक सीमित थी और हमने अपना लक्ष्य पा लिया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम नहीं हुआ है बल्कि संघर्ष रोका गया है। उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि उसे आतंकवाद के पूरे ढांचे को नष्ट करना होगा और वह जानता है कि क्या करना है। विदेश मंत्री ने आज होंडुरास के विदेश मंत्री हेनरी क्रीन के साथ उनके नई दिल्ली स्थित दूतावास का उद्घाटन किया। उन्होंने होंन्डुरस को आतंकवाद के खिलाफ ठोस समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम से इतर विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने पाकिस्तान, आतंकवाद, अमेरिका से व्यापार वार्ता और संघर्षकाल में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को लेकर महत्वपूर्ण बयान दिया। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच संबंध और बातचीत हमेशा द्विपक्षीय ही रहेंगे।

इसमें कोई बदलाव नहीं होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साफ कहा है कि पाकिस्तान के साथ बातचीत केवल आतंकवाद पर होगी। पाकिस्तान को उन आतंकवादियों को सौंपना होगा जिसकी सूची हमने दी है और आतंकवादी नेटवर्क को बंद करना होगा। भारत आतंकवाद के मुद्दे पर बातचीत के लिए तैयार है। सैटेलाइट तस्वीरों से स्पष्ट है कि कौन गोलीबारी बंद करना चाहता थाजयशंकर ने कहा, हमने पाकिस्तान को संदेश भेजा था कि हम आतंकवादी ढांचे पर हमला कर रहे हैं, सेना पर नहीं और सेना के पास यह विकल्प है कि वह बाहर खड़ी रहे और हस्तक्षेप न करे। उन्होंने उस अच्छी सलाह को न मानने का विकल्प चुना। एक बार 10 मई की सुबह उन्हें बुरी तरह से नुकसान पहुंचा। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि हमने कितना नुकसान किया और उन्होंने कितना कम नुकसान किया। यह स्पष्ट है कि कौन गोलीबारी बंद करना चाहता था। उन्होंने कहा, युद्ध विराम पर, या जिसे आप युद्ध विराम कहते हैं, हम इसे गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई की समाप्ति के रूप में संदर्भित करते हैं। हमने बहावलपुर, मुरीदके, मुजफ्फराबाद और अन्य स्थानों में आतंकवादी ढांचे को नष्ट करके अपने लक्ष्य को प्राप्त किया है। डॉ. जयशंकर ने स्पष्ट किया कि भारत का पाकिस्तान से संपर्क आतंकवाद के मुद्दे तक सीमित रहेगा। आतंकवाद का आधार समाप्त किए बिना कोई भी सामान्य द्विपक्षीय संबंध या जल संधि पुनः शुरू नहीं होगी।

बारापुला फ्लाईओवर पर स्थापित किया गया 200 टन का स्टील स्पैन

एजेंसी

गाजियाबाद। एनसीआरटीसी ने दिल्ली-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर पर सराय काले खां स्टेशन को जंगपुरा स्टेबलिंग यार्ड से कनेक्ट करने के लिए बनाए जा रहे वायडक्ट के लिए बारापुला फ्लाईओवर पर 200 टन वजनी 4 गर्डर्स वाले स्टील स्पैन को सफलतापूर्वक स्थापित कर दिया गया है। एनसीआरटीसी की टीम ने इस प्रक्रिया को प्रशासन, लोक निर्माण विभाग और ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से पूर्ण किया, जिसके लिए एनसीआरटीसी द्वारा सावधानीपूर्वक योजना बनाई गई और उत्कृष्ट समन्वय के साथ इस कार्य को पूर्ण किया गया। एनसीआरटीसी के प्रवक्ता पुनीत वत्स ने बताया कि नमो भारत कॉरिडोर पर चलने वाली ट्रेनों को खड़ा करने के लिए सराय काले खां स्टेशन से कुछ ही दूरी पर जंगपुरा स्टेबलिंग यार्ड बनाया जा रहा है, जिसके लिए सराय काले खां स्टेशन से वायडक्ट का निर्माण किया जा रहा है। नमो भारत कॉरिडोर के एलिवेटेड सेक्शन में वायाडक्ट के निर्माण के लिए एनसीआरटीसी आमतौर पर औसतन 34 मीटर की दूरी पर पिलर निर्माण करता है। हालांकि, कुछ जटिल क्षेत्रों में जहां कॉरिडोर नदियों, पुलों, रेल क्रॉसिंग, मेट्रो कॉरिडोर, एक्सप्रेस-वे या ऐसे अन्य मौजूदा ढांचों को पार कर रहा है, वहां पिलर्स के बीच इस दूरी को बनाए रखना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं होता, इसलिए ऐसी जगहों पर पिलर्स के बीच की दूरी को आवश्यकतानुसार बढ़ाया जाता है और ऐसे क्षेत्रों में वायडक्ट निर्माण हेतु पिलर्स को जोड़ने के लिए स्पेशल स्पैन का उपयोग किया जाता है। उन्होंने बताया कि इस लोकेशन पर भूतल पर

एक नाला बह रहा है, जिसके समानांतर बारापुला फ्लाईओवर स्थित है। यहाँ नमो भारत कॉरिडोर नाले और बारापुला फ्लाईओवर दोनों को एक ही जगह पर पार कर रहा है। इसी को पार करने के लिए 4 गर्डर वाला स्टील स्पैन बनाया गया है। इन स्टील गर्डर्स की लंबाई 40 मीटर (प्रत्येक) है और वजन 50 टन (प्रत्येक) है। इन 4 स्टील गर्डर्स को 2 स्टेज लिफ्टिंग प्रक्रिया के जरिए उच्च क्षमता वाली 3 क्रेन्स की मदद से स्थापित किया गया।

सेना प्रमुख ने पाकिस्तान के हमलों को नाकाम करने वाले बहादुर सैनिकों का हौसला बढ़ाया

एजेंसी

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने ऑपरेशन 'संदूर' के दौरान पाकिस्तान के हमलों को नाकाम करने वाले बहादुर सैनिकों का हौसला बढ़ाया। उन्होंने पंजाब के ऊंची बस्सी और पठानकोट एयर बेस पर सैनिकों से बातचीत की। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने आज ही डैगर डिवीजन, चिनार कोर के अग्रिम स्थानों का दौरा किया और भारतीय वायु सेना और बीएसएफ के सैनिकों से बातचीत करके उनके दृढ़ संकल्प को सराहा। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के खिलाफ भारत के ऑपरेशन 'सिंदूर' के स्थगित होने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 13 मई को वायु सेना के आदमपुर एयरबेस पर पहुंचकर वायु सैनिकों की हौसलाफजाई की थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज श्रीनगर के बादामी बाग कैंट में भारतीय सेना के बहादुर सैनिकों के प्रति आभार जताने पहुंचे। उन्होंने सैनिकों को

संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि मैं आपकी उस ऊर्जा को महसूस करने आया हूं, जिसने दुश्मनों को नेस्तनाबूद कर दिया। इसी क्रम में सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने आज पंजाब के ऊंची बस्सी और पठानकोट एयर बेस पर बहादुर सैनिकों से बातचीत की। सैनिकों से बातचीत करते हुए उन्होंने राइजिंग स्टार कोर, आर्मी एयर डिफेंस (एएडी), डिफेंस सिक्योरिटी कोर (डीएससी) और डिफेंस सिविलियन एम्प्लॉइज के सैनिकों की भूमिका को सराहा, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान गैरीसन और एयर बेस की सुरक्षा की। उन्होंने भारतीय वायु सेना और बीएसएफ के सैनिकों से भी बातचीत की। उन्होंने सैनिकों के उस दृढ़ संकल्प की सराहना की, जिसने दोनों प्रतिष्ठानों के भीतर महत्वपूर्ण संपत्तियों को निशाना बनाने के दुश्मन के कई प्रयासों को सफलतापूर्वक विफल कर दिया। सेना प्रमुख ने नागरिक प्रशासन को घनिष्ठ सहयोग के लिए धन्यवाद भी दिया। सेना प्रमुख ने कहा कि सेना वायु रक्षा प्रणाली की एल-70 और ज़ू-23 तोपों के पॉइंट एयर डिफेंस गन क्रू की बहादुरी, साहस और निस्वार्थ समर्पण ने पाकिस्तान के हवाई हमलों को प्रभावी ढंग से विफल कर दिया, जिसे हमेशा गर्व के साथ याद किया जाएगा। जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने डैगर डिवीजन, चिनार कोर के अग्रिम स्थानों का दौरा किया और सभी रैंकों के साथ बातचीत की।

मुख्य चुनाव आयुक्त से केजरीवाल के नेतृत्व में मिला आआपा प्रतिनिधिमंडल

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार, चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी से निर्वाचन सदन में मुलाकात की। यह मुलाकात भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विभिन्न राष्ट्रीय और राज्य राजनीतिक दलों के अध्यक्षों के साथ की जा रही बातचीत के क्रम में हुई। आयोग के मुताबिक ये बातचीत चुनावी प्रक्रिया में सुझाव और राजनीतिक दलों की चिंताओं को साझा करने के लिए की जा रही हैं। इससे राष्ट्रीय और राज्य पार्टी अध्यक्ष अपने सुझाव और चिंताओं को सीधे आयोग के साथ साझा कर सकते हैं। यह पहल सभी संबंधित मतदाताओं और दलों के साथ मौजूदा कानूनी ढांचे के अनुसार चुनावी प्रक्रिया को और मजबूत करने के आयोग के व्यापक दृष्टिकोण के अनुसार है। आयोग ने इससे पहले छह मई को बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष

मायावती के नेतृत्व में पार्टी के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर चुका है। आयोग लगातार विभिन्न दलों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर रहे हैं। आयोग ने कुल 4,719 सर्वदलीय बैठकें आयोजित की हैं, जिनमें सीईओ द्वारा 40 बैठकें, डीईओ द्वारा 800 बैठकें और ईआरओ द्वारा 3879 बैठकें शामिल हैं। इसमें विभिन्न राजनीतिक दलों के 28,000 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए।

जामिया और मानू ने भी तुर्किए के शैक्षिक संस्थानों के साथ समझौते निलंबित किए

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली स्थित विश्व के सुप्रसिद्ध जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के बाद देश की प्रतिष्ठत जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जामिया) और मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी (मानू) ने भी तुर्किए के साथ हुए समझौतों को निलंबित कर दिया है। ऐसा देशहित और राष्ट्रीय सुरक्ष के मद्देनजर किया गया है। दोनों विश्वविद्यालयों ने इसकी जानकारी एक्स पर एक पोस्ट पर दी है। गौरतलब है कि भारत-पाकिस्तान के बीच उत्पन्न तनाव के दौरान पाकिस्तान का साथ देने वाले देशों तुर्किए और आजरबाईजान के प्रति भारत में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है। जहां इन देशों के सामानों का भारतीय जनता के जरिए बायकॉट किया जा रहा है, वहीं इन देशों की यात्रा के लिए पहले से की गई बुकिंग को भी रद्द करने की खबरें चल रही हैं। अब भारतीय विश्वविद्यालयों के जरिए तुर्किए के शिक्षण संस्थानों के साथ किए गए समझौतों को निलंबित किया जा रहा है। जेएनयू पहले ही तुर्किए की इनॉनू यूनिवर्सिटी से साथ शैक्षिक समझौता निलंबित कर चुकी है। अब जामिया

मिल्लिया इस्लामिया ने आज एक ट्वीट के जरिए यह घोषणा की है कि उसने तुर्किए के शैक्षणिक संस्थानों के साथ जो भी एमओयू साइन किए हैं, वह सभी फिलहाल निलंबित कर दिए हैं। अपने ट्वीट में जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने कहा है कि राष्ट्रहित और राष्ट्र की सुरक्षा को मद्देनजर रखते हुए यह फैसला लिया गया है। इसी तरह हैदराबाद स्थित मौलाना आजाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी (मानू) ने भी तुर्किए के यूनुस एमरे इंस्टीट्यूट के साथ अपने शैक्षणिक समझौता ज्ञापन (एमओयू) को तत्काल समाप्त करने की घोषणा की। विश्वविद्यालय का कहना है कि यह निर्णय भारत और पाकिस्तान के बीच हाल के तनाव के दौरान तुर्किए द्वारा पाकिस्तान की आतंकवादी गतिविधियों को समर्थन दिए जाने के मद्देनजर लिया गया है। ज्ञात हो कि पिछले वर्ष 2 जनवरी को मानू और तुर्किए के यूनुस एमरे इंस्टीट्यूट के बीच पांच वर्षीय एमओयू पर हस्ताक्षर हुए थे, जिसके तहत मानू के स्कूल ऑफ लैंग्वेजेज, लिंग्विस्टिक्स एंड इंडोलॉजी में तुर्की भाषा में डिप्लोमा कोर्स शुरू किया गया था। इसके लिए तुर्की से एक विजिटिंग प्रोफेसर की सेवाएं ली गईं, लेकिन यह प्रोफेसर अब अपने वतन तुर्की लौट चुका है।

सुप्रीम कोर्ट ने डीपफेक वीडियो पर नीति बनाने की याचिका पर सुनवाई से किया इंकार, कहा- हाईकोर्ट में पहले से मामले लंबित

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से बनाए गए डीपफेक वीडियो को रोकने के लिए नीति बनाने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करने से इंकार कर दिया है। जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने याचिकाकर्ता को दिल्ली हाईकोर्ट में पहले से लंबित मामले में आवेदन दायर करने का निर्देश दिया। याचिका में डीपफेक वीडियो के दुरुपयोग को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में एक विशेषज्ञ समिति के गठन की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि डीपफेक का खतरा बढ़ रहा है। उदाहरण के तौर पर, ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी मीडिया से साझा करने वालीं भारतीय सेना की वरिष्ठ अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के डीपफेक वीडियो ऑनलाइन प्रसारित हो रहे हैं। इस तरह के कंटेंट से सामाजिक और राजनीतिक स्थिरता को खतरा हो सकता है। याचिका में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एआई-जनरेटेड या डीपफेक कंटेंट की पहचान और हटाने के लिए सख्त नियम बनाने की मांग की गई थी। इसमें केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को पक्षकार बनाया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डीपफेक से संबंधित कई याचिकाएं दिल्ली हाईकोर्ट में पहले से लंबित हैं। दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली बेंच इन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है और केंद्र सरकार से जवाब मांगा गया है। कोर्ट ने आशंका जताई कि अगर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू होती है, तो हाईकोर्ट की कार्यवाही प्रभावित हो सकती है। इसलिए, याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट में आवेदन करने को कहा गया। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट से अनुरोध किया कि यदि याचिकाकर्ता वहां आवेदन करता है, तो उसके सुझावों पर विचार किया जाए। डीपफेक वीडियो के बढ़ते खतरे को देखते हुए विशेषज्ञों का मानना है कि इस मुद्दे पर त्वरित और प्रभावी नीतिगत हस्तक्षेप की आवश्यकता है।

हरे कृष्ण मंदिर विवाद खत्म, सुप्रीम कोर्ट ने 'इस्कॉन बेंगलुरु' के पक्ष में सुनाया फैसला

एजेंसी

बेंगलुरु । सुप्रीम कोर्ट ने इस्कॉन बेंगलुरु और इस्कॉन मुंबई के बीच दशकों से चले आ रहे विवाद में एक ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि बेंगलुरु का हरेकृष्ण हिल मंदिर इस्कॉन बेंगलुरु के अधीन रहेगा और इस्कॉन मुंबई का इस पर कोई अधिकार नहीं होगा। इस फैसले के साथ सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक हाईकोर्ट के उस निर्णय को भी पलट दिया, जिसमें बेंगलुरु मंदिर को इस्कॉन मुंबई के स्वामित्व में माना गया था। सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को सही ठहराते हुए कहा कि इस्कॉन बेंगलुरु इस्कॉन मुंबई की शाखा नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र संस्था है। यह फैसला जस्टिस अभय एस. ओक और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने सुनाया। मामले की सुनवाई 15 फरवरी 2016 को सुप्रीम कोर्ट में शुरू हुई थी और आठ साल बाद 24 जुलाई 2024 को सुनवाई पूरी होने के बाद निर्णय सुरक्षित रखा गया था। विवाद की जड़ इस्कॉन के संस्थापक श्रील प्रभुपाद भक्तिवेदांत स्वामी के 1977 में महासमाधि लेने के बाद उनके शिष्यों के बीच सिद्धांतों और प्रशासनिक नियंत्रण को लेकर शुरू हुई असहमति में है। इस्कॉन बेंगलुरु ने दावा किया था कि वह एक स्वायत्त इकाई है, जबकि इस्कॉन

मुंबई इसे अपनी शाखा मानता था। इस्कॉन बेंगलुरु के अध्यक्ष मधु पंडित दास ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा, ÷यह श्रील प्रभुपाद के हरे कृष्ण आंदोलन के लिए ऐतिहासिक क्षण है। 1977 में उनके महासमाधि लेने के बाद इस्कॉन मुंबई ने उन शिष्यों को निष्कासित करने की कोशिश की जो श्रील प्रभुपाद को एकमात्र गुरु मानते थे। उन्होंने हमारी संपत्ति पर दावा किया और हमें बाहर करने की धमकी दी। सुप्रीम कोर्ट ने आज स्पष्ट किया कि बेंगलुरु की पंजीकृत इस्कॉन सोसाइटी ही मंदिर की मालिक है। मधु पंडित दास ने कहा, यह लड़ाई संपत्ति से ज्यादा आध्यात्मिक और नैतिक भ्रष्टाचार के खिलाफ थी। इस्कॉन मुंबई ने हमें बाहर करने और हमारी संपत्ति हड़पने की कोशिश की, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने माना कि बेंगलुरु की पंजीकृत इस्कॉन सोसाइटी ही मंदिर की मालिक है। कोर्ट ने इस्कॉन मुंबई की अपील को खारिज करते हुए उनके हस्तक्षेप पर रोक लगा दी। यह फैसला इस्कॉन बेंगलुरु को अपने मिशन को और विस्तार देने की स्वतंत्रता देता है। यह निर्णय न केवल संपत्ति विवाद को समाप्त करता है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री की गलत सूचना का पर्दाफाश, एआई फोटो को आधार बनाकर दी थी झूठी जानकारी

एजेंसी

नई दिल्ली । ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सैन्य कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने न केवल भारत के नागरिक और सैन्य ठिकानों पर हमले किए, बल्कि भारत के खिलाफ सूचना दुष्प्रचार भी चलाया। भारत सरकार लगातार इंटरनेट पर पाकिस्तान की ओर से फैलाए जा रहे इस दुष्प्रचार की पोल खोल रही है। हाल ही में पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार का झूठा दावा भी पकड़ा गया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने 15 मई, 2025 को सीनेट में एक बयान में दावा किया कि यूके के अखबार 'द डेली टेलीग्राफ' ने पाकिस्तान वायु सेना को 'आकाश का निर्विवादित राजा' कहा है। जबकि यह दावा एक एआई-जनरेटेड फोटो पर आधारित था, जिसे भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय ने फैक्ट चेक के माध्यम से सोशल मीडिया पर उजागर किया। 'पीआईबी फैक्ट चेक' ने पाक विदेश मंत्री के दावे को पूरी तरह फर्जी करार दिया और बताया कि 'द डेली टेलीग्राफ' की जिस हेडलाइन को आधार बनाकर यह दावा किया गया है, वह असल में एक एआई इमेज है, जो असली नहीं है और न ही किसी तरह से सच पर आधारित है। 'पीआईबी फैक्ट चेक' 'एक्स' अकाउंट पर पोस्ट में कहा, 'सोशल मीडिया पर प्रसारित एक तस्वीर में दावा किया गया है कि यह ब्रिटेन के अखबार 'द डेली टेलीग्राफ' के पहले पन्ने की है, जिसमें शीर्षक है: 'पाकिस्तान वायु सेना: आसमान का निर्विवाद राजा' दिनांक 10 मई 2025।'यह दावा झूठा है क्योंकि यह फोटो ही एआई से बनाई गई है। 'द डेली टेलीग्राफ' में ऐसा आर्टिकल कभी प्रकाशित ही नहीं हुआ था।'इस गलत सूचना को पाकिस्तान ने जानबूझकर बढ़ावा दिया, जिससे पाक का डिजिटल धोखाधड़ी का एक और मामला सामने आया। इस फेक फोटो को आधार बनाकर पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने सीनेट में दावा किया था कि 'टेलीग्राफ'ने अपने लेख में पाकिस्तान को आकाश का निर्विवाद राजा बताया है। यह वीडियो भी सोशल मीडिया पर देखी गई और भारत सरकार ने इस दावे को खारिज किया। भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर के साथ-साथ पाकिस्तान की लगातार झूठी सूचना के खिलाफ भी लड़ाई को मजबूत किया है।

संपादक की कलम से

विज्ञान व तकनीक से दूरसंचार में क्रांतिकारी बदलाव

17 मई को पूरी दुनिया में हर साल दूरसंचार दिवस मनाया जाता है। सन् 2005 में सबसे पहले दूरसंचार दिवस को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने विश्व सूचना समाज दिवस के रूप में घोषित किया। इसके बाद से ही 17 मई को विश्व दूरसंचार और सूचना सोसायटी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। वैसे विश्व दूरसंचार दिवस पहली बार 1969 में मनाया गया था। आइए आज इस खास मौके पर इस दिवस के बारे में कुछ और खास बाते जानते हैं। पहले अंतर्राष्ट्रीय टेलीग्राफ कन्वेंशन के हस्ताक्षर की वर्षगांठ भी 17 मई को पड़ता है। खास बात यह है कि यूएन ने जब विश्व दूरसंचार दिवस की घोषणा हुई तो उस दिन भी 17 मई ही थी। 2006 नवम्बर में, तुर्की के अंताल्या में आईटीयू प्लेनिपोटेंटरी सम्मेलन ने सत्रह मई को दोनों विश्व दूरसंचार और सूचना दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया, और तब विश्व दूरसंचार दिवस की घोषणा हुई तो उस दिन भी सत्रह मई ही थी। विश्व दूरसंचार दिवस पूरी दुनिया में इंटरनेट और संचार के बारे में जागरूकता बढ़ाता है। विश्व संचार दिवस का मकसद वैश्विक स्तर पर टेक्नोलॉजी और इंटरनेट के बारे में सकारात्मकता फैलाना है। विश्व दूरसंचार दिवस का उद्देश्य सुदूर और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के लिए सूचना और संचार दोनों को आसानी से सुलभ बनाना है। वर्ष 2020 को 5 जी का साल कहा गया है। लेकिन कोरोना ने इस पर ब्रेक लगा दिया इसलिए इसे कुछ आगे बढ़ाया गया है। अब हालांकि 5 जी नेटवर्क के इंफ्रास्ट्रक्चर में काफी बदलाव देखने को मिला है। और आने वाले समय में इसमें काफी विकास होगा। 2025 में तो 6जी की तैयारी भी शुरू हो गई है। भविष्यवाणी की गई है कि 2025 में दुनियाभर में 5 जी नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर रेवेन्यू लगभग 4.2 बिलियन डॉलर को छू जाएगा, जो लगभग 89 प्रतिशत की साल-दर-साल की वृद्धि दर्ज करेगा। क्लाउड कम्यूनिकेशनः 2025 में, क्लाउड कंम्यूनिकेशन पर होने वाला खर्च कुल तकनीक पर होने वाले खर्च का सत्तर फीसदी है। 2025 तक दुनिया भर में लगभग अस्सी फीसदी व्यवसाय क्लाउड कम्यूनिकेशन पर निर्भर हैं। खास बात यह है कि कोरोना महामारी ने इसकी योजनाओं पर कुछ व्यवधान तो जरूर डाला पर इसके विकास को और तेज कर दिया। डाटा एंड इंफ्रास्ट्रक्चरः डाटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट ने टेक्नोलॉजी को ऊपर ले जाने में काफी मदद की है।

विश्व दूरसंचार अंतर्राष्ट्रीय दिवस और सप्ताह दरअसल जनता को दुनिया भर के समस्या और सुधार के मुद्दों पर शिक्षित करने, वैश्विक समस्याओं को दूर करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति और संसाधनों को जुटाने और मानवता की उपलब्धियों का जश्न मनाने और सुदृढ़ करने के अवसर हैं। ये अवसर संयुक्त राष्ट्र की स्थापना से पहले का है। लेकिन संयुक्त राष्ट्र ने उन्हें एक शक्तिशाली उपकरण के रूप में अपनाया है। हम अन्य संयुक्त राष्ट्र के पालनों को भी चिह्नित करते हैं। एक विशेष दूरी पर संचारित करने के लिए संदेश-संकेतों की आवश्यकता होती है, और हम इस प्रक्रिया को दूरसंचार के रूप में जानते हैं। इससे पहले, दूर-दराज के लोगों को संदेशों को संवाद करने के लिए चिटठी, ड्रम, सेमफोर, झंडे या हेलीओग्राफ का उपयोग किया जाता था। आधुनिकीकरण और प्रौद्योगिकी के विकास के साथ दूरसंचार के लिए टेलीफोन, टेलीविजन, रेडियो या कंप्यूटर जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का अब उपयोग आम हो गया है। विश्व दूरसंचार दिवस को अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ की स्थापना की सालगिरह के रूप में भी चिह्नित किया जाता है।

जिसे 1865 में शुरू किया गया था और पूरे विश्व में सत्रह मई को विश्व दूरसंचार दिवस मनाया जाता है। भारत में संचार के रुप में टेलिफोन की शुरूआत 1880 में हुई जब दो टेलीफोन कंपनियों द ओरिएंटल टेलीफोन कंपनी लिमिटेड और एंग्लो इंडियन टेलीफोन कंपनी लिमिटेड ने भारत में टेलीफोन एक्सचेंज की स्थापना करने के लिए भारत सरकार से संपर्क किया। इस अनुमति को इस आधार पर अस्वीकृत कर दिया गया कि टेलीफोन की स्थापना करना सरकार का एकाधिकार था। और सरकार खुद यह काम शुरू करेगी। 1881 में सरकार ने अपने पहले के फैसले के खिलाफ जाकर इंग्लैंड की ओरिएंटल टेलीफोन कंपनी लिमिटेड को कोलकाता, मुंबई, मद्रास (चेन्नई) और अहमदाबाद में टेलीफोन एक्सचेंज खोलने के लिए लाइसेंस दिया। इससे 1881 में देश में पहली औपचारिक टेलीफोन सेवा की स्थापना हुई। विश्व दूरसंचार दिवस वास्तव में राष्ट्रीय नीतियों को बढ़ाने, तकनीकी मतभेदों को भरने, कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने, सिस्टम की वैश्विक अंतः क्रियाशीलता को बढ़ावा देने के लिए भी और इसके साथ ही इंटरनेट, टेलीविजन, फोनदेश में पहली औपचारिक टेलीफोन सेवा की स्थापना भी हुई। विश्व दूरसंचार दिवस राष्ट्रीय नीतियों को बढ़ाने, तकनीकी मतभेदों को भरने, कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने, सिस्टम की वैश्विक अंतःक्रियाशीलता को बढ़ावा देने और इंटरनेट, टेलीविजन, फोन इत्यादि के माध्यम से वैश्विक स्तर पर भौतिक दूरी पर नियंत्रण करने के लिए केंद्रित है। आज संचार के कारण दो लोगों के बीच की दूरी कम हो पाई है। पहले लोग पहले एक-दूसरे से बात किए बिना एवं उन्हें देखे बिना सालों तक दूर रहते थे किन्तु आज सूचना क्रांति के कारण उनकी दूरी एक क्षणभर की रह गई है। इंटरनेट की तेजी, मोबाईल फोन, कंप्यूटर, लैपटॉप इत्यादि के जरिए जिन लोगों से मुलाकात किए सालों बीत जाते थे, आज उनसे रोज बाते की जा सकती है। व्यक्ति के विकास में भी दूरसंचार ने अहम भूमिका निभाई है। आज कोई भी व्यक्ति इंटरनेट के जरिए अपनी शिक्षा ग्रहण कर सकता है। अपनी बात दूसरों तक आसानी से पहुंचा सकता है। आज शिक्षा के क्षेत्र में तेजी से प्रगति लाने का श्रेय भी दूरसंचार तकनीक को ही जाता है। आज के समय में श्री जी, फोर जी, फाइव और कई देशों में सिक्स जी के आ जाने से संचार के क्षेत्र मे क्रांति आ गइ है। इस तकनीक ने मोबाइल की दुनिया को पूरी तरह से बदल कर रख दिया है।

कैसी-कैसी सोच

आजकल के जमाने में लोग अपने दुखों को ऐसे गर्व से बयान करते हैं जैसे वे कोई उपलब्धि हों। एक मित्र ने बताया कि उनकी कार का बीमा प्रीमियम बढ़ गया है। वे इतने दुखी थे जैसे उनकी कार ही छिन गई हो। मैंने कहा, "भाई, तुम्हारी कार तो अभी भी तुम्हारे पास है, तुम्हारी जेब से थोड़े पैसे ज्यादा जा रहे हैं।" वे बोले, "तुम क्या समझो, ये पैसे कोई छोटी बात नहीं है।" मैंने सोचा, शायद उनकी कार प्लैटिनम मॉडल है और प्रीमियम भी प्लैटिनम दर से देना पड़ता है।

एक अन्य मित्र ने बताया कि उनका बेटा अब महंगे स्कूल में पढ़ रहा है। उसकी फीस सुनकर मेरे तो होश उड़ गए। मैंने कहा, "भाई, तुम्हारा बेटा अच्छी शिक्षा पा रहा है, ये तो खुशी की बात है।" वे बोले, "खुशी की बात तो है, लेकिन फीस इतनी है कि लगता है हमें दो वक्त की रोटी के लिए भीख मांगनी पड़ेगी।" मैंने सोचा, शायद उनका बेटा भविष्य में करोड़पति बनेगा और उन्हें भीख मांगने की नौबत नहीं आएगी। एक और परिचित ने बताया कि उनका ऑफिस उनके घर से बहुत दूर है और उन्हें रोज जाम में फँसना पड़ता है। वे इतने दुखी थे जैसे वे कोई युद्ध लड़ रहे हों। मैंने कहा, "भाई, जाम तो सब जगह लगता है, थोड़ा धैर्य रखो।" वे बोले, "तुम क्या जानो, समय और पेट्रोल कितना बर्बाद होता है।" मैंने सोचा, शायद वे भविष्य में वर्क-फ्रॉम-होम की खोज करने वाले वैज्ञानिक बनेंगे। लोग अपने दुखों को इस तरह बयान करते हैं जैसे वे दुख ही उनकी पहचान हों। अगर इनसे इनके दुख छीन लिए जाएं, तो शायद ये खुद को पहचान भी न पाएं। एक सज्जन ने बताया कि उनका प्रमोशन नहीं हो रहा है। वे इतने दुखी थे जैसे उनका जीवन ही व्यर्थ हो गया हो। मैंने कहा, "भाई, प्रमोशन तो एक दिन होगा ही, तब तक मौज करो।" वे बोले, "तुम क्या जानो, प्रमोशन नहीं होने से मेरी इज्जत कम हो रही है।" मैंने सोचा, शायद उनकी इज्जत उनके प्रमोशन पर निर्भर करती है। आजकल के जमाने में दुख भी एक प्रतिस्पर्धा बन गई है।

दुनिया को समझना होगा, भारत का 'न्यू नॉर्मल'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुद्ध पूर्णिमा दिन राष्ट्र के नाम अपने 22 मिनट के संबोधन में पाकिस्तान को स्पष्टतः चेता दिया कि अगर हमारे भारत की ओर आँख उठाकर भी देखा तो वो हश्र होगा कि? दुनिया याद करेगी। राष्ट्र के नाम संदेश के अगले दिन पीएम ने आदमपुर एयरबेस पहुंचकर जवानों का उत्साह और मनोबल बढ़ाया। आदमपुर में प्रधानमंत्री के साथ समवेत स्वर में जब जवानों ने भारत माता की जय का उद्घोष किया तो उस निनाद की गूंज और प्रतिध्वनि पाकिस्तान ही नहीं अखिल विश्व ने स्पष्ट तौर पर सुनी। पीएम ने अपने संबोधन में जितनी स्पष्टवादिता, दृढ़ता और विश्वास के साथ सधे और नपे–तुले शब्दों में अपनी बात विश्व के समक्ष रखी है, ऐसा साहस उनका कोई पूर्ववर्ती दिखा नही सका। पाकिस्तान के साथ अब तक हुए चार युद्ध, बालाकोट और उरी स्ट्राइक में उसे इतने गहरे घाव नहीं लगे, जितने ऑपरेशन सिंदूर ने उसे दिये। अपने स्वभाव से विवश पाकिस्तान पहलगाम आतंकी घटना के बाद इसी सोच के साथ रहा होगा, भारत प्रत्युत्तर में अधिक से अधिक एयर स्ट्राइक या उरी जैसा आक्रमण करेगा। लेकिन उसके अनुमान और विचार धरे के धरे रह गए। और भारत ने जो विध्वंस ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से मचाया, उसकी कल्पना भी आतंकियों और उनके जन्मदाताओं एवं शरणदाताओं की कल्पना से भी परे थी।

भारत ने लड़ाई के मोर्चे पर ही नहीं, बल्कि सिंधु जल संधि को स्थगित करने जैसा ऐतिहासिक और साहसी कदम भी उठाया। 1965, 1971 और 1999 कारगिल युद्ध और तमाम छोटी–बड़ी आतंकी घटनाओं में पाकिस्तान की स्पष्ट भूमिका के उपरांत सिंधु जल संधि स्थगित करने का साहस भारत दिखा नहीं पाया। बालाकोट और उसी स्ट्राइक, जम्मू कश्मीर में धारा 370 को खत्म करने जैसे बड़े कदम उठाने के बाद भी पाकिस्तान भारत को हल्के में लेता रहा। वास्तव में त्रुटि पाकिस्तान की नहीं, हमारी ही रही। हमारे देश के भीतर एक ऐसी मंडली हैं, जिनके हृदय में भारत से अधिक पाकिस्तान के लिये प्रेम, पक्षपात और दया भावना उछाल मारती है। यही मंडली हर आतंकी घटना के बाद भारत पाकिस्तान के विरुद्ध कड़े कदम उठाने का प्रपंच और स्वांग रचती है। प्रोपेगेंडा करने और नैरेटिव गढ़ने में इस मंडली को महारत प्राप्त है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी ये मंडली सक्रिय हो गई थी। वो अलग बात है कि इस बार यह अपना एजेंडा चलाने में सफल नहीं हुई।

वहीं पाकिस्तान को सख्त सबक सिखाने की बजाय जुबानी जमा खर्च ज्यादा करने की जो परंपरा नेहरू–इंदिरा के शासन में फली फूली, 2014 में मोदी सरकार के गठन से पूर्व तक भारत उसी नीति का सिर झुकाकर अनुसरण करता रहा।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान को प्रत्युत्तर में एयर स्ट्राइक से अधिक की उम्मीद नहीं थी। उसे लग रहा था भारत की सत्ता संभालने वालों में बड़े, प्रभावशाली और कठोर निर्णय लेने का राजनीतिक साहस नहीं है। लेकिन पाकिस्तान पता नहीं यह कैसे भूल गया कि पीएम मोदी खतरे उठाने और साहसी निर्णय लेने के लिए जाने जाते हैं। उनकी प्रसिद्धि, साख और लोकप्रियता की यूएसपी जोखिम उठाना ही तो है। पीएम मोदी की दृढ राजनीतिक इच्छा शक्ति का समर्थन पाकर हमारे वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने पाकिस्तान को उदाहरण के साथ अच्छे से समझा दिया है कि अब खेल बदल चुका है। खेल के खिलाड़ी बदल चुके हैं। भारत की सत्ता जिनके हाथों में हैं, उनका नारा नेशन फर्स्ट का है।

ऑपरेशन सिंदूर के रूप में भारत ने न केवल आतंक के पोषक और जनक पाकिस्तान को करारा उत्तर दिया, बल्कि एक नया सैन्य और रणनीतिक सिद्धांत स्थापित कर दिया। 7 से 10 मई के बीच चार दिनों तक चले इस सीमित, लेकिन तीव्र सैन्य अभियान ने न केवल पाकिस्तान को सैन्य रूप से झकझोर कर रख दिया, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की साख, क्षमता और इच्छाशक्ति का ऐसा प्रदर्शन किया जो दशकों में पहली बार देखा गया। ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि आतंक के विरूद्ध अब वह चुप नहीं बैठेगा, घर के भीतर घुसकर मारेगा।

पहलगाम घटना के बाद भारत ने बातें नहीं की, डोजियर सौंपने की तैयार नहीं की, सीधे घर में घुसकर मारा, सीधे एक्शन लिया। पाकिस्तान के अंदर घुसकर 15 से अधिक आतंकियों और सेना से जुड़े ठिकानों को नष्ट भ्रष्ट कर दिया। भारत ने केवल आतंकी ठिकानों पर नहीं, उनके ड्रोन कंट्रोल सेंटर और एयरबेस तक को निशाना बनाया। ये दिखाने के लिए कि अगर आवश्यकता पड़ी, तो भारत सीधे उनके सीने तक पहुंच सकता है। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य बहुत स्पष्ट था- आतंक का ढांचा तोड़ना, अपनी सैन्य ताकत दिखाना, शत्रु को पुनः सोचने के लिए विवश करना और विश्व को यह बताना कि यह परिवर्तित भारत है। और यह परिवर्तित भारत अब नई सुरक्षा नीति पर चल रहा है।

यह बदला हुआ भारत है, भारत के इस बदले हुए मिजाज और कड़े निर्णय लेने के साहस को पाकिस्तान समझने से चूक गया। जिसका परिणाम अखिल विश्व के समक्ष है। भारत ने घर में घुसकर जब चाहा, जहां चाहा, वहां हमला किया। आतंकी खत्म किये, आतंक के ठिकाने ध्वस्त किये और पाकिस्तान के सैन्य हमलों को अपाहिज और पंगु बना डाला। भारतीय सेना और हमारे डिफेंस सिस्टम की श्रेष्ठता और सटीकता ने पाकिस्तान ही नहीं उसके सहयोगियों और हितैषी अमेरिका, चीन और तुर्की के जेट फाइटर, ड्रोन्स, एयर डिफेंस सिस्टम और आयुध की निम्न गुणवत्ता को अनावृत कर डाला।

पाकिस्तान में फलने फूलने वाले आतंकियों को कड़ी सीख देने के लिए अच्छी तरह चिंतन–मंथन के बाद ऑपरेशन सिंदूर संचालित हुआ। इसे स्वैच्छिक युद्ध में परिवर्तित नहीं होने दिया गया, लेकिन आतंक को कठोर उत्तर भी दे दिया गया। भारत ने ये दिखा दिया कि अब युद्ध का अर्थ केवल बम-विस्फोट और सीमा लांघना नहीं होता। अब लड़ाई सोच-समझकर, सीमित परिधि में और स्पष्ट उद्देश्य के साथ लड़ी जाती है।

ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम ने विश्व समुदाय को स्पष्ट तौर पर बता दिया है कि अब हम किसी और के आश्रित नहीं है। ना अमेरिका की ओर देखा, ना रूस से पूछा और ना ही संयुक्त राष्ट्र से कोई सहायता मांगी। जो करना था, स्वयं उसकी कार्य योजना बनाई, और स्वयं ही उसे धरती पर उतारा। ये वही भारत है जो कभी हमलों के बाद बयान देता था और अंतरराष्ट्रीय सहायता की प्रतीक्षा करता था। लेकिन इस बार भारत ने ये दिखा दिया कि अब हम अपने निर्णय स्वयं लेते हैं और अपनी लड़ाई स्वयं अपने सामर्थ्य से लड़ते हैं। यह भारत की रणनीतिक आत्मनिर्भरता का स्पष्ट संकेत है, यानी अब हम दूसरों की सहमति या सहायता पर नहीं, अपनी सोच, शक्ति, सामर्थ्य और साधनों पर विश्वास करते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य ना राष्ट्र पर आधिपत्य की कामना थी, ना किसी सरकार गिराने या परिवर्तन की। एकमात्र बात विश्व को बतानी थी कि यदि भारत पर आक्रमण हुआ, तो उत्तर अवश्य मिलेगा और ऐसा मिलेगा कि पुनः सोचने पर विवश कर देगा। अब भारत की लड़ाई का ढंग परिवर्तित हो गया है। यह केवल अस्त्र–शस्त्र नहीं दिखाता, यह बताता है कि कब, कहां और कैसे उनका प्रयोग करना है। यह एक नया भारत है- जो केवल निनाद नहीं उठाता, अब प्रभाव और धमक भी दिखाता है। अब भारत प्रतिक्रिया में नहीं चलता, कर्मण्यता पर विश्वास करता है और नई दिशा तय करता है। यह परिवर्तन केवल एक रणनीति नहीं है, ये मानसिकता का परिवर्तन है। इसलिए पीएम मोदी ने आदमपुर एयर बेस में कहा कि, 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत का 'न्यू नॉर्मल' है। यही मानसिक परिवर्तन भारत का 'न्यू नॉर्मल' है। और इस 'न्यू नॉर्मल' को अखिल विश्व जितनी जल्दी समझेगा, वो उसके और शेष दुनिया के लिए हितकारी, सुखप्रद और शांतिप्रद होगा।

आईएएस अधिकारी: ड्यूटी या डिजिटल स्टारडम?

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में सिविल सेवा हमेशा से ही सम्मान और प्रतिष्ठा का प्रतीक रही है। एक आईएएस अधिकारी का दायित्व न केवल नीतियों को लागू करना होता है, बल्कि जनता की समस्याओं को समझकर उन्हें हल करना भी है। लेकिन हाल के वर्षों में एक नया चलन देखने को मिल रहा है - आईएएस अधिकारियों का सोशल मीडिया की ओर बढ़ता आकर्षण। कुछ अधिकारी इंस्टाग्राम, यूट्यूब और ट्विटर जैसे प्लेटफॉर्म पर लगातार सक्रिय रहते हैं, अपने जीवन के पहलुओं को साझा करते हैं, व्लॉग बनाते हैं, और अपने प्रशासनिक अनुभवों के जरिए प्रेरणा देने का प्रयास करते हैं। लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या यह डिजिटल सक्रियता उनके मूल कर्तव्यों से ध्यान भटकाने का कारण बन रही है या फिर यह एक नई तरह की जनसेवा है?

सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव

सोशल मीडिया का युग आते ही हर क्षेत्र ने अपनी उपस्थिति वहां दर्ज की है, तो भला नौकरशाही कैसे पीछे रह सकती थी। आईएएस अधिकारी भी इस डिजिटल दुनिया का हिस्सा बन चुके हैं। वे अपने अनुभव, सरकारी योजनाएं, और प्रेरणादायक कहानियाँ साझा करते हैं, जिससे आम जनता का प्रशासन पर विश्वास बढ़ता है। उदाहरण के लिए, बिहार की चर्चित आईएएस अधिकारी टीना डाबी हों या फिर कश्मीर के शाह फैसल, इन अधिकारियों ने अपनी ऑनलाइन उपस्थिति से लाखों युवाओं को प्रेरित किया है।

सोशल मीडिया पर सक्रिय आईएएस अधिकारी अपने फॉलोअर्स को न केवल सरकारी योजनाओं की जानकारी देते हैं, बल्कि सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता भी फैलाते हैं। वे आपदाओं के समय महत्वपूर्ण सूचनाएं साझा करते हैं और जनता से सीधा संवाद स्थापित करते हैं। यह पारंपरिक नौकरशाही के उस पुराने ढर्रे से बिल्कुल अलग है जहां अधिकारी केवल कागजों पर या सरकारी बैठकों में ही सीमित रहते थे। लेकिन सवाल यह है कि क्या इस डिजिटल सक्रियता का मतलब है कि ये अधिकारी अपने असली कर्तव्यों से भटक रहे हैं? क्या सोशल मीडिया पर छवि निर्माण का यह खेल उनकी प्रशासनिक जिम्मेदारियों से समझौता है? कई बार यह देखा गया है कि कुछ अधिकारी सोशल मीडिया पर इतना व्यस्त हो जाते हैं कि उनकी मूल जिम्मेदारियां प्रभावित होने लगती हैं। उदाहरण के लिए, किसी जिले के डीएम का समय अधिकतर क्षेत्रीय समस्याओं और विकास कार्यों में जाना चाहिए, न कि इंस्टाग्राम रील्स बनाने में। कुछ अधिकारी अपने सोशल मीडिया फॉलोअर्स की संख्या बढ़ाने में इतने लिप्त हो जाते हैं कि वे सेलिब्रिटी जैसी पहचान बना लेते हैं। यह न केवल उनके व्यक्तिगत जीवन को प्रभावित करता है, बल्कि उनके निर्णयों की पारदर्शिता पर भी सवाल खड़े करता है। क्या यह संभव है कि एक अधिकारी जनता की सेवा और लोकप्रियता की होड़ के बीच संतुलन बना सके? इसके अलावा, यह भी ध्यान देने वाली बात है कि जब अधिकारी सोशल मीडिया पर अपने व्यक्तिगत विचार साझा करते हैं, तो इससे उनकी निष्पक्षता पर भी सवाल उठ सकते हैं।

भारतीय सनातन संस्कृति बनाम खोखली आधुनिकता

भारतीय संस्कृति हमें अपने भारतीय होने का एहसास कराती है। जो हमें विश्व के अन्य देशों से विकास की दौड़ में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। भारत में अनेक परंपराएं ऐसी हैं जो सामाजिक जीवन को अधिक सभ्य एवं अच्छा इंसान बनाए रखने में योगदान देती है। जिनसे मनुष्यता का जीवन जीने की प्रेरणा भी मिलती है। यांत्रिक उपकरणों की तरह जिंदगी जीना भी कोई जीना है। यह भारतीय संस्कृति में पाश्चात्य का घालमेल ही है जो मनुष्य के जीवन को यंत्रवत बना देता है। जो आने वाले कल के लिए घातक भी हो सकती है। वहीं दूसरी ओर पाश्चात्य दर्शन की कुछ विशेषताएं भी हैं, जो हमारे विचारों को अधिक तार्किक तथा बौद्धिक बनाती है। जिससे हम अपना जीवन कार्तिक तथा बौद्धिक बना सकते हैं। जिन्हें हम अपने जीवन में क्रियान्वित कर अपने मनुष्य जाति के जीवन को अधिक सार्थक एवं सुलभ बना सकते हैं। निसंदेह हमें रूढ़ीवादी या एकदम पुरातन पंथी संस्कृति से लगाव न रखकर पाश्चात्य संस्कृति के जो फायदे हैं, उन्हें अपनाकर अपना जीवन सरल सार्थक एवं सुगम बना सकते हैं। परंतु आज वर्तमान में हमने पश्चिम दर्शन से खोखला आधुनिकवाद ओढ़ लिया है ,हम ना अत्यंत आधुनिक ही हो सके हैं और ना ही सही-सही संस्कारित परंपरावादी ही बन पाए हैं हम हम पाश्चात्य दर्शन और भारतीय संस्कार और परंपरा के बीच त्रिशंकु बन कर झूल रहे हैं' विवेकानंद जी ने कहा है कि वीणा के तार को ईतना भी ना कसो कि वह टूट जाए, और इतना भी ढीला छोड़ो कि वह बज भी ना पाए, मूलतः हमें दोनों संस्कृतियों की समग्र अच्छाइयों को आत्मसात कर उनकी बुराइयों को त्यागना होगा तब ही जीवन सफल हो सकेगा।

भारतीय संस्कृति अध्यात्म प्रधान है। जबकि पश्चिमी सभ्यता भौतिकता लिए होती है, और उसमें भौतिकता की प्रधानता होती है। आध्यात्मिक प्रधान संस्कृति से तात्पर्य भौतिकता वादी दृष्टिकोण से दूर रहकर भौतिकता वादी होने का ही है। प्राचीन काल से ही भारत देश में 'अतिथि देवो भव' और 'वसुधैव कुटुंबकम' वाली संस्कृति रही है। भारत की सांस्कृतिक धरोहर, विश्वास, भावना,आस्था, धर्म, रीति रिवाज जैसे तथ्यों से भरी पड़ी है। धर्म प्रधान संस्कृति होने के कारण ही इसे आध्यात्मि

क प्रवृत्ति वाला देश माना गया है। स्वामी रामकृष्ण परमहंस के शब्दों में यदि कहें तो ईश्वरत और त्याग पर्यायवाची शब्द है। संस्कृति और सदाचार उसकी बाह्य अभिव्यक्तियाँ है। परंपरागत दृष्टिकोण से हम अपने धार्मिक तथा अध्यात्मिक दर्शन को लेकर बहुत हद तक अपने आप को एवं देश को महिमामंडित करने में लगे रहते हैं। किंतु आज आवश्यकता इस बात की है कि हमें पूर्ण रूप से आध्यात्मिक ना होकर वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर इस तथ्य का मूल्यांकन किया जाना चाहिए कि 21 सदी में पांचवी एवं छठवीं सदी की मान्यताएं तथा परंपराएं जारी रख उन्हें अपना सकते हैं क्या?, आज जब दुनिया वैज्ञानिक चमत्कारों से भरी पड़ी है। दुनिया विज्ञान की प्रगति से चांद तो क्या सूर्य को भी खंगालने का प्रयास कर रही है। मानव का क्लोन बनाकर ईश्वर की सत्ता को चुनौती देने का प्रयास किया जा रहा है। ऐसे में धार्मिक संस्कृति तथा आध्यात्मिकता को आवश्यकता से अधिक महत्व एवं परंपरा में लाना प्रासंगिक एवं तार्किक होगा। निसंदेह नहीं।

पाश्चात्य दर्शन भौतिकता प्रधान एवं वैज्ञानिक संस्कृति है। भौतिकता प्रधान युग से तात्पर्य ऐसी परंपरा जो यथार्थवादी दृष्टिकोण को सर्वाधिक महत्व देती है। वैसे ही भौतिकता का सामान्य मतलब इंद्रिय बोध से साक्षात संबंध रखने वाली वस्तु से है, अर्थात जो वास्तविकता है एवं यथार्थ है वही पाश्चात्य दर्शन है। पाश्चात्य संस्कृति को इसलिए भी वैज्ञानिक एवं वस्तु परख माना जाता है क्योंकि इसमें सूक्ष्म जांच पड़ताल कर वस्तु स्थिति का सही मूल्यांकन अपनाकर एक सामान्य सिद्धांत एवं नियम बनाया जाता है। जिससे भविष्य की बातों को जानकर जीवन को और अच्छा तथा बेहतर बनाने में मदद मिल सके।

वैसे पाश्चात्य संस्कृति में बहुत सी अहितकर बातें भी हैं, जैसे वसुधैव कुटुंबकम की भावना कमतर होते जा रही है। संयुक्त परिवार की प्रणाली का विघटन होते जा रहा है। पारिवारिक वातावरण संघर्ष तथा तनावपूर्ण होते जा रहा हैं। पाश्चात्य संस्कृति की नकल कर लोग परिवार से अलग होकर स्वतंत्र जीवन यापन करना पसंद करते हैं। उनमे विवाह विच्छेद और अन्य विसंगतियां जन्म लेने लगी हैं। धर्म तथा आध्यात्मिक के प्रति आमजन की सूची धीरे धीरे कम होते जा रही है। ऐसो आराम के सामान खरीदने के कारण लोगों के खर्चे अनाप-शनाप बढ़ चुके हैं। बुजुर्गों की इज्जत तवज्जो होनी कम हो गई है। दादा और नाती के संबंधों में अब वह गर्माहट शेष नहीं रह गई है, जैसी की एक सांस्कृतिक तथा नैतिक परिवार जनों में हुआ करती थी। धीरे-धीरे परिवार के सदस्य अलग होकर अकेलेपन की समस्या से जूझ रहे हैं। आने वाली पीढ़ी अपनी संस्कृति एवं आध्यात्मिक प्रवृत्ति भूलती जा रही है। प्रेम विवाह तथा अंतर जाति विवाह पाश्चात्य सभ्यता के कारण बहुत बढ़ गए हैं। जिससे वैवाहिक संबंध टूटने के कगार पर आ जाते हैं। पर दूसरी तरफ पाश्चात्य सोच के कारण स्त्री सशक्तिकरण को बढ़ावा भी मिला है महिलाएं जहां पहले अपने घरों में कैद थी।

सागरमाथा संवाद में सहभागी होने नेपाल पहुंचे केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल सरकार द्वारा आयोजित सागरमाथा संवाद में सहभागी होने के लिए भारत सरकार के वन तथा वातावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव आज काठमांडू पहुंचे हैं। दो दिवसीय यात्रा पर आए भूपेन्द्र यादव कुछ राजनीतिक मुलाकात भी करने वाले हैं। काठमांडू आने पर वन तथा वातावरण मंत्री यादव का विमानस्थल पर भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने स्वागत किया। नेपाल पहुंचने पर मीडिया से बात करते हुए कहा कि सागरमाथा संवाद के कार्यक्रम में जलवायु परिवर्तन पर भारत सरकार का पक्ष रखने वाले हैं। वन तथा वातावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के कारण हिमालय पर पढ़ने वाले प्रभाव और उसको बचाने के लिए भारत सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों के बारे में अपना पक्ष रखने वाले हैं। अपने भ्रमण के दौरान वन तथा वातावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव नेपाल के प्रधानमंत्री से शिष्टाचार मुलाकात करने वाले हैं। वहीं नेपाल के वन तथा वातावरण मंत्री ऐन बहादुर शाही के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी होने की जानकारी काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास ने दी है।

यूक्रेन-रूस संघर्ष: इस्तांबुल में युद्धविराम पर चर्चा, जेलेंस्की ने दी चेतावनी

अंकारा/इस्तांबुल। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि अगर मॉस्को संघर्ष विराम वार्ताओं में गंभीरता नहीं दिखाता, तो अन्य देशों को रूस पर और अधिक राजनीतिक एवं आर्थिक दबाव बनाने के साथ और कठोर प्रतिबंध लगाने चाहिए। अगर इस्तांबुल में होने वाली तकनीकी वार्ताओं के दौरान यूक्रेन और रूस के बीच युद्धविराम पर सहमति बन जाती है, तो रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ संभावित बैठक की आवश्यकता नहीं रह जाएगी। तुर्की की राजधानी अंकारा में आयोजित एक प्रेस वार्ता में जेलेंस्की ने कहा, रूस को अभी यह महसूस नहीं हो रहा है कि उसे इस युद्ध को समाप्त करना चाहिए। इसका मतलब है कि उस पर राजनीतिक, आर्थिक और अन्य प्रकार का पर्याप्त दबाव नहीं डाला गया है। यदि कोई युद्धविराम नहीं होता, यदि कोई गंभीर निर्णय नहीं लिए जाते, तो हम उचित प्रतिबंधों की मांग करते हैं। राष्ट्रपति जेलेंस्की ने यह भी बताया कि वे शांति वार्ता के लिए एक यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल को तुर्की के शहर इस्तांबुल भेज रहे हैं, जिसकी अगुवाई रक्षा मंत्री रुस्तेम उमेरोव करेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि रूसी प्रतिनिधिमंडल में ऐसे लोग शामिल नहीं हैं जो वास्तव में निर्णय ले सकते हैं। जेलेंस्की ने यह कदम अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को यह दिखाने के लिए उठाया है कि यूक्रेन युद्ध समाप्त करने की दिशा में गंभीर प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा, हमारा उद्देश्य है- तनाव कम करने और युद्ध समाप्त करने की दिशा में पहले कदम उठाना। इचसका प्रारंभिक बिंदु है एक युद्धविराम।

अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी ने कहा- पाकिस्तान में विकिरण रिसाव का दावा झूठा

वियना (आस्ट्रिया)। भारत के साथ सैन्य संघर्ष में पाकिस्तान की किसी भी परमाणु सुविधा से किसी भी प्रकार का कोई विकिरण रिसाव नहीं हुआ है। पाकिस्तान के पंजाब के किराना हिल्स में भारत के साथ सैन्य टकराव में इस तरह के रिसाव के दावे को संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था ने दृढ़ता के साथ खारिज कर दिया। पाकिस्तान के इस फरेब की दुनिया भर के प्रमुख सूचना संचार माध्यमों पर आज चर्चा की गई है। ब्रिटेन के प्रमुख समाचार पत्र द इंडिपेंडेंट की खबर के अनुसार अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने कहा कि पिछले सप्ताह भारत के साथ सैन्य गतिरोध के बाद पाकिस्तान में किसी भी परमाणु सुविधा से कोई विकिरण रिसाव नहीं हुआ है। सप्ताहांत में युद्ध विराम की घोषणा के बाद ऐसी अटकल लगाई जा रही थी कि भारत ने पाकिस्तान की परमाणु सुविधाओं के पास हमला किया है। नई दिल्ली ने ऐसी अटकलों को तभी सिरे से खारिज कर दिया था।

ईरान ने शांति की दुहाई पर ट्रंप को घेरा, पेजेशकियन ने कहा- अमेरिका की धमकी से नहीं डरते

तेहरान। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने कहा कि देश कभी भी अमेरिका की धमकियों और दबाव के आगे नहीं झुकेगा। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तेहरान पर क्षेत्र में अस्थिरता पैदा करने वाली ताकत होने का आरोप लगाने पर कड़ी निंदा की। उन्होंने ईरान के पश्चिमी प्रांत केरमानशाह में आर्थिक नीति निर्धारकों और निवेशकों की बैठक में ईरान के प्रति दोहरी नीति अपनाने के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की आलोचना की। उन्होंने कहा कि जो आदमी शांति की दुहाई देता है, वही नरसंहार कराता है। ईरान के प्रेस टीवी की खबर के अनुसार, राष्ट्रपति पेजेशकियन ने कहा कि ट्रंप को लगता है कि वह हमें प्रतिबंधित कर सकते हैं। हमें धमका सकते हैं। और फिर बैठकर मानवाधिकारों के बारे में बात कर सकते हैं। हम युद्ध नहीं, शांति चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को सऊदी अरब की यात्रा के दौरान ट्रंप ने ईरान को पश्चिम एशिया क्षेत्र में सबसे विनाशकारी ताकत करार दिया था। उन्होंने कहा था कि संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने की अनुमति नहीं देगा। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने इस्लामिक गणराज्य ईरान को कतर के दोहा में आर्थिक निवेशकों की बैठक में चेतावनी दी ।

अमेरिका में जन्मजात नागरिकता पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई शुरू, जून में फैसला संभव

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने देश में जन्मजात नागरिकता के अधिकार पर सुनवाई शुरू की। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने दूसरे कार्यकाल की शुरुआत करते ही जनवरी में इस अधिकार पर प्रतिबंध लगा चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट का फैसले जून तक आने की उम्मीद है। इस फैसले से संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति की शक्तियों, न्यायिक क्षेत्राधिकार और 14वें संविधान संशोधन से संबंधित अहम सवालों के जवाब भी मिल सकते हैं। सीएनएन की खबर के अनुसार, इस अधिकार में यह व्यवस्था है कि अमेरिका में जन्म लेने वाला हर बच्चा संयुक्त राज्य अमेरिका का नागरिक होता है। भले ही बच्चे के माता-पिता अमेरिका में अस्थायी तौर पर या अवैध रूप से रह रहे हों। इस साल जनवरी में राष्ट्रपति पद संभालते ही डोनाल्ड ट्रंप ने जन्मजात

नागरिकता के अधिकार पर रोक लगा दी थी। ट्रंप के इस फैसले को डेमोक्रेट सरकार वाले करीब 20 राज्यों के अप्रवासियों और नागरिक अधिकार संगठनों ने अदालत में चुनौती दी है। ट्रंप के फैसले को अदालत में चुनौती देने वाले अप्रवासियों और नागरिक अधिकार संगठनों का दावा है कि राष्ट्रपति का यह आदेश संविधान के 14वें संशोधन का उल्लंघन करता है। मैरीलैंड, वॉशिंगटन और मेसाच्युसेट्स के संघीय जज ट्रंप प्रशासन के आदेश को लागू करने पर पूरे देश में रोक लगा चुके हैं। ट्रंप प्रशासन ने निचली अदालतों के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट में करीब दो घंटे तक सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट यह भी विचार करेगा कि क्या निचली अदालत पूरे देश में सरकार के फैसले को लागू होने पर रोक लगा सकती है या नहीं। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि संघीय जजों को केवल कुछ मुकदमों के आधार पर पूरे देश के लिए संघीय नीतियों को रोकने का अधिकार नहीं होना चाहिए। अगर सुप्रीम कोर्ट ट्रंप प्रशासन के इस तर्क पर सहमत हो जाता है तो राष्ट्रपति का आदेश उन 28 राज्यों में लागू हो सकता है, जिन्होंने मुकदमा नहीं किया है। इससे एक विभाजित प्रणाली निर्मित होने की आशंका है, जहां कुछ राज्यों में जन्मे बच्चों को स्वतः नागरिकता मिल जाएगी और अन्य को नहीं। सीएनएन का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के नौ न्यायाधीशों की राय अलग-अलग हो सकती है। अगर ऐसा होता है तो यह विवाद और लंबा खिंच सकता है। विभाजित फैसला संवैधानिक टकराव की तरफ भी बढ़ सकता है। सुप्रीम कोर्ट में दो घंटे से अधिक समय तक चली बहस से फिलहाल कुछ भी संकेत नहीं मिला।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का मई हिंसा मामले में होगा 'पॉलीग्राफ टेस्ट'

एजेंसी

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ दर्ज 09 मई 2023 की हिंसक घटनाओं से जुड़े मामलों में अब जांच का दायरा गहराता जा रहा है। लाहौर की एक आतंकवाद निरोधी अदालत (एटीसी) ने पुलिस को पॉलीग्राफ (लाई डिटेक्टर टेस्ट) और फोटोग्रामेट्रिक (चेहरे और आवाज की पहचान) परीक्षण की अनुमति दे दी है।यह परीक्षण रावलपिंडी स्थित अडियाला जेल में अगले 12 दिनों के भीतर किए जाएंगे। परीक्षण की अनुमति एटीसी-1 के न्यायाधीश मंर अली गिल ने अभियोजन पक्ष की याचिका को स्वीकार करते हुए दी। दरअसल, इमरान खान पर आतंकवाद से संबंधित कुल 12 मामले दर्ज हैं, जो 09 मई 2023 को उनकी गिरफ्तारी के बाद हुए देशव्यापी हिंसक प्रदर्शनों से जुड़े हैं। इनमें सबसे चर्चित मामला लाहौर स्थित कोर कमांडर हाउस (जिन्ना हाउस) पर हुए हमले का है। इन्हीं मामलों में परीक्षण किया जाएगा। पॉलीग्राफ टेस्ट व्यक्ति की शारीरिक प्रतिक्रियाओं जैसे दिल की धड़कन, सांस लेने की गति और पसीने की मात्रा को मापता है ताकि यह जाना जा सके कि वह सच बोल रहा है या नहीं। जबकि फोटोग्रामेट्रिक विश्लेषण में चेहरे की बनावट और आवाज के पैटर्न की मदद से किसी व्यक्ति की पहचान सुनिश्चित की जाती है, विशेष रूप से सीसीटीवी फुटेज या ऑडियो क्लिप्स से। उल्लेखनीय है कि 09 मई 2023 को इमरान खान को इस्लामाबाद हाईकोर्ट परिसर से रेंजर्स द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद पूरे पाकिस्तान में हिंसक प्रदर्शन हुए थे।

कान्स में 'वुमन इन सिनेमा' के मंच पर चमकीं जैकलीन फर्नांडिस

एजेंसी

वाशिंगटन। कान्स फिल्म फेस्टिवल 2025 की भव्य शुरुआत हो चुकी है और भारतीय सितारों की मौजूदगी से रेड कार्पेट चमक उठा है। हाल ही में उर्वशी रौतेला ने अपनी दिलकश अदाओं से रेड कार्पेट पर सभी का ध्यान खींचा। इसके बाद 'लापता लेडीज' की फूल कुमारी यानी नितांशी गोयल का लुक सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। अब बारी है जैकलीन फर्नांडिस की, जो कान्स 2025 के तीसरे दिन रेड कार्पेट पर अपने ग्लैमरस अवतार में नजर आईं। कान्स 2025 से जैकलीन फर्नांडिस का शानदार लुक सामने आया है। सिल्वर और सफेद रंग की खूबसूरत ड्रेस पहनकर वह बेहद आकर्षक लग रही थीं। जैकलीन इस प्रतिष्ठित समारोह में भारतीय सिनेमा का प्रतिनिधित्व करने पहुंचीं। खास बात यह रही कि उन्हें रेड सी फिल्म फेस्टिवल की 'वुमन इन सिनेमा' पहल के तहत सम्मानित किया गया। इस सम्मान के लिए जैकलीन के अलावा सारा तैयबा, इल्हाम अली और अमीना खलील जैसी अंतरराष्ट्रीय हस्तियों को भी चुना गया। जैकलीन ने अपने इंस्टाग्राम पर

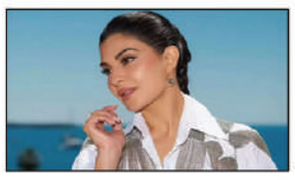

इस खास मौके की कुछ झलकियां भी शेयर की हैं।इन तस्वीरों को साझा करते हुए जैकलीन फर्नांडिस ने लिखा, कान्स डे 1 – रेड सी फिल्म के साथ 'वुमन इन सिनेमा' पहल के तहत महिला कहानीकारों को सपोर्ट करते हुए सम्मानित होना बेहद खुशी की बात है। गौरतलब है कि यह जैकलीन की पहली कान्स उपस्थिति नहीं है। इससे पहले भी वह पिछले साल इस प्रतिष्ठित फेस्टिवल का हिस्सा बन चुकी हैं और रेड कार्पेट पर अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेर चुकी हैं। जैकलीन फर्नांडिस के अलावा इस साल कान्स फिल्म फेस्टिवल में कई और भारतीय सितारों के शिरकत करने की उम्मीद है। इस लिस्ट में आलिया भट्ट भी शामिल हैं, जो इस प्रतिष्ठित मंच पर अपना डेब्यू करने जा रही हैं। इसके अलावा कान्स की नियमित मेहमान ऐश्वर्या राय बच्चन भी रेड कार्पेट पर नजर आएंगी। वहीं, अभिनेता ईशान खट्टर और जाह्नवी कपूर अपनी आगामी फिल्म 'होमबाउंड' के प्रीमियर के लिए कान्स पहुंचेंगे। दिग्गज अभिनेत्री शर्मिला टैगोर भी इस बार अपनी क्लासिक फिल्म 'अरण्येर दिन रात्रि' की स्क्रीनिंग के सिलसिले में फेस्टिवल का हिस्सा बनेंगी। 78वें कान्स फिल्म फेस्टिवल का आगाज़ 13 मई को हुआ था और यह 24 मई तक चलेगा। इस बार खास बात यह है कि मशहूर निर्देशक पायल कपाड़िया को महोत्सव की मुख्य जूरी में शामिल किया गया है।

बांग्लादेश में जगन्नाथ विश्वविद्यालय के छात्र अंतरिम सरकार से खफा, ढाका में प्रदर्शन

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से राजधानी ढाका के जगन्नाथ विश्वविद्यालय के छात्र खफा हैं। वह अपनी चार सूत्री मांगों को लेकर लगातार तीसरे दिन राजधानी के ककरैल चौराहे पर प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने जुमे की नमाज के बाद सामूहिक रूप से अनशन पर बैठने की घोषणा की है। जगन्नाथ विश्वविद्यालय के शिक्षक और पूर्व छात्रों ने मांगों का समर्थन किया है। इनकी प्रमुख मांग है कि अंतरिम सरकार विश्वविद्यालय को 306 करोड़ टका का वार्षिक बजट प्रदान करे । द डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार, ढाका के जगन्नाथ विश्वविद्यालय के सैकड़ों छात्र अंतरिम सरकार प्रमुख मोहम्मद यूनुस से अपनी चार सूत्री मांगों को पूरा करने की मांग कर रहे हैं। वह लगातार तीसरे दिन आज भी राजधानी के ककरैल चौराहे पर एकत्रित हुए। उन्होंने कहा कि मांगें पूरी न होने पर जुमे की नमाज के

बाद सामूहिक भूख हड़ताल शुरू की जाएगी।विश्वविद्यालय के शिक्षकों और कई प्रमुख पूर्व छात्र नेताओं ने मांगों का समर्थन किया है। वह भी प्रदर्शन में शामिल हैं। प्रदर्शनकारी छात्र हेलालुद्दीन ने कहा, हम अपनी जायज मांगों को लेकर तीन दिनों से प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने अभी तक उन्हें स्वीकार नहीं किया है। इसके बजाय, हमें पुलिस कार्रवाई का सामना करना पड़ा है। हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि जब तक हमारी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, हम सड़कों से नहीं हटेंगे। जुमे की नमाज के बाद हम सामूहिक भूख हड़ताल शुरू करेंगे। शिक्षक मोहम्मद बेलालुद्दीन ने कहा, हमने जगन्नाथ विश्वविद्यालय के लिए 306 करोड़ टका का वार्षिक बजट मांगा है।

पाक पीएम शाहबाज शरीफ ने भारत से शांति वार्ता का दिया प्रस्ताव, कहा- कश्मीर रहेगा अहम मुद्दा

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने भारत के साथ बातचीत की पेशकश करते हुए कहा कि पाकिस्तान शांति के लिए संवाद को तैयार है। यह बयान उन्होंने पंजाब प्रांत स्थित कामरा एयर बेस की यात्रा के दौरान दिया, जहां वे हाल ही में भारत के साथ सैन्य संघर्ष में शामिल पाकिस्तानी वायुसेना के अधिकारियों और जवानों से मुलाकात कर रहे थे।शरीफ ने कहा, हम भारत से शांति के लिए बात करने को तैयार हैं। हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि इस वार्ता के लिए शांति की शर्तों में जम्मू-कश्मीर का मुद्दा शामिल है।दूसरी ओर, भारत लगातार यह स्पष्ट करता रहा है कि जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य अंग हैं, और इस पर किसी प्रकार की बातचीत का प्रश्न ही नहीं उठता। पड़ोसी देश से सिर्फ आतंकवाद के मुद्दे पर ही बात संभव है। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ

के इस दौरे पर उनके साथ पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री इशाक डार, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ, पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर और वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल जहीर अहमद बाबर सिद्धू भी मौजूद रहे। इससे पहले, प्रधानमंत्री शरीफ ने सियालकोट स्थित पासरूर छावनी का भी दौरा किया था और जवानों से बातचीत की थी। यह उनकी दूसरी सैन्य प्रतिष्ठान यात्रा थी, जिससे यह संकेत मिलता है कि पाकिस्तान सरकार मौजूदा तनाव को लेकर सेना के साथ लगातार समन्वय कर रही है।

नीरव मोदी को फिर झटका: ब्रिटेन की अदालत ने नई जमानत याचिका की खारिज

एजेंसी

लंदन। भारत में बहुचर्चित बैंक घोटाले के आरोपित और आर्थिक भगोड़े नीरव मोदी को ब्रिटेन की अदालत से एक बार फिर बड़ा झटका लगा है। लंदन के किंग्स बेंच डिवीजन के हाई कोर्ट ऑफ जस्टिस ने उसकी ताजा जमानत याचिका खारिज कर दी है। नीरव मोदी पिछले पांच वर्षों से लंदन की वांड्सवर्थ जेल में बंद है और भारत प्रत्यर्पण की प्रक्रिया का सामना कर रहा है।

नीरव मोदी ने अदालत से अनुरोध किया था कि भारत प्रत्यर्पण तक उसे जमानत पर रिहा किया जाए। याचिका में उसने दावा किया कि उसे भारत में जान का खतरा है, इसलिए वह ब्रिटेन से भागने की कोशिश नहीं करेगा। लेकिन अदालत ने यह तर्क खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि नीरव मोदी के न्याय से भागने का पर्याप्त जोखिम बना हुआ है और ऐसे में उसे रिहा नहीं किया जा सकता। न्यायाधीश ने कहा कि नीरव

मोदी जैसे प्रभावशाली और संसाधन-संपन्न व्यक्ति के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भाग निकलना कोई कठिन कार्य नहीं होगा। अदालत ने यह भी जोड़ा कि इससे पहले की जमानत याचिकाओं में दिए गए तर्कों में निरंतरता नहीं है, और बार-बार दोहराए गए दावों से भरोसा नहीं बनता। भारत सरकार की ओर से पेश हुए वकीलों ने स्पष्ट किया कि नीरव मोदी के भारत प्रत्यर्पण के लिए पर्याप्त कानूनी और राजनयिक प्रबंध किए गए हैं। साथ ही, यह भी आश्वासन दिया गया कि भारत में उसे निष्पक्ष और सुरक्षित कानूनी प्रक्रिया मिलेगी। उल्लेखनीय है कि नीरव मोदी पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से जुड़े करीब 14,000 करोड़ रुपये के घोटाले का मुख्य आरोपित है। वर्ष 2018 में मामला सामने आने के बाद से ही वह फरार चल रहा था और मार्च 2019 में लंदन में गिरफ्तार किया गया था।

रूस के थल सेना प्रमुख जनरल ओलेग सल्युकोव को हटाया गया

एजेंसी

मॉस्को। रूस के थल सेना प्रमुख जनरल ओलेग सल्युकोव को उनके पद से हटा दिया गया। यूक्रेन और रूस के बीच शांति वार्ता की बनती-बिगड़ती प्रक्रिया के बीच इस नाटकीय बदलाव की चर्चा रूस के अलावा अन्य पश्चिमी देशों के अखबारों में प्रमुखता से की गई है।

द मॉस्को टाइम्स की खबर के अनुसार, ओलेग सल्युकोव रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के पुराने सहयोगी हैं। उन्होंने ही उन्हें थल सेना प्रमुख के पद से हटाने का फैसला किया। पुतिन का यह फैसला ऐसे वक्त में आया है जब रूस, यूक्रेन युद्ध और सैन्य रणनीति को लेकर

अंतरराष्ट्रीय दबाव में है। सल्युकोव 2014 से थल सेनाध्यक्ष थे। अब उन्हें रूसी सुरक्षा परिषद में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। जनरल सल्युकोव का कार्यकाल आधुनिक हथियारों के समावेश और रणनीतिक सुधारों के लिए जाना गया। 2024 में यूक्रेन के कुर्स्क क्षेत्र में किए गए अचानक हमले ने रूस की सीमाओं की सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े किए। इस घटना के बाद पुतिन पर दबाव बढ़ा कि वह जमीनी रणनीति में बदलाव करें। फिलहाल सल्युकोव की जगह कौन सैन्य अधिकारी लेगा, इसकी घोषणा नहीं की गई है। इस बदलाव को रक्षा मंत्रालय में अहम माना जा रहा है। कुछ दिन पहले ही रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू की जगह आर्थिक विशेषज्ञ आंद्रेई बेलौसोव को नया रक्षामंत्री नियुक्त किया गया है।

अमेरिकी प्रशासन को ट्रंप-पुतिन मुलाकात जल्द होने की उम्मीद

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी प्रशासन को उम्मीद है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के बीच बहुत जल्द ही मुलाकात होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति के उप सहायक और आतंकवाद निरोध के वरिष्ठ निदेशक सेबेस्टियन गोर्का का ऐसा मानना है। उन्होंने कहा कि सौदे और समझौते तो होते ही रहते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप और पुतिन के मिलने का सही समय आ गया है। उन्होंने पॉलिटिको अखबार के तत्वावधान में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा सम्मेलन में यह घोषणा की। रूस की सरकारी समाचार एजेंसी तास ने इस अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा सम्मेलन की रिपोर्ट में यह जानकारी दी। खबर में यह भी कहा गया कि सेबेस्टियन गोर्का ने इस संबंध में पूछे गए अन्य सवालों का जवाब गोलमोल दिया। गोर्का ने कहा कि उन्हें सवालों में कोई उलझा नहीं सकता। उनसे एक सवाल पूछा गया कि क्या ट्रंप ने इस्तांबुल में रूस-यूक्रेन

वार्ता में भाग लेने की योजना बनाई है? व्हाइट हाउस के इस अधिकारी ने सपाट जवाब दिया-नहीं। गोर्का ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि इसमें शामिल सभी पक्षों की ओर से कोई अड़ियल रवैया न हो। लेकिन आप निश्चिंत हो सकते हैं कि जब समझौते पर अंतिम मुहर लगाई जाएगी तो राष्ट्रपति ट्रंप जरूर मौजूद होंगे। क्रीमिया और अन्य क्षेत्रों पर रूस की संप्रभुता की अंतरराष्ट्रीय मान्यता पर संभावित चर्चा के बारे में उन्होंने कहा कि इस पर वह कोई टिप्पणी नहीं करेंगे। हालांकि रूसी राष्ट्रपति के प्रेस सचिव दिमित्री पेसकोव ने को कहा कि आने वाले दिनों में पुतिन-ट्रंप की मुलाकात की कोई योजना नहीं है।

चीन ने नेपाल पर बीआरआई परियोजना तत्काल लागू करने के लिए दबाव डाला

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के साथ बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) कार्यान्वयन समझौता पर हस्ताक्षर करने के बाद अब उसे जल्द से जल्द लागू करने के लिए चीन की तरफ से दबाव बनाया जाने लगा है। नेपाल दौरे पर आये चीनी संसद के उपाध्यक्ष ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से मुलाकात करके बीआरआई परियोजना को जल्द से जल्द शुरू करने के लिए कहा है। चीन की नेशनल पीपुल्स कांग्रेस (संसद) की स्थायी समिति के उपाध्यक्ष शियाओ जी के नेतृत्व में नेपाल आए चीनी प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों देशों के बीच हुए बीआरआई समझौते के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाओं को लेकर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री ओली के प्रमुख सलाहकार विष्णु रिमाल ने कहा कि चीनी प्रतिनिधिमंडल के साथ बीआरआई परियोजना शुरू किए जाने को लेकर चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि नेपाल की तरफ से इन परियोजनाओं को जल्द शुरू किए जाने को लेकर प्रतिबद्धता जताई गई। प्रधानमंत्री आवास पर हुई बैठक के दौरान चीनी प्रतिनिधिमंडल ने 16 मई से काठमांडू में आयोजित होने वाली सागरमाथा संवाद की सफलता के लिए चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने शुभकामनाएं दीं। चीनी संसद के उपाध्यक्ष ने कहा कि चीन दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे।

मध्य पूर्व यात्रा ने ट्रंप को 'बदलने' पर मजबूर किया

एजेंसी

अबू धाबी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल की पहली मध्य पूर्व की यात्रा ने संकेत दिया है कि वह अपने पहले कार्यकाल के विदेश नीति के स्थापित सिद्धांत से अलग हो सकते हैं। यह एक ऐसे नेता के लिए जिसने गहरे अलगाववादी तनाव के साथ अमेरिका फर्स्ट के वादे पर अभियान चलाया के लिए कठिन समय होगा। अब उनका पूरा फोकस वैश्विक नेता के रूप में खुद को ढालना होगा। सीएनएन ने मध्य पूर्व यात्रा के विश्लेषण में कहा कि ट्रंप ने दूसरे कार्यकाल के शुरुआती कुछ महीने दुनिया में अमेरिका की भूमिका को आक्रामक रूप से बदलने में बिताए हैं। इस सप्ताह सऊदी अरब, कतर और संयुक्त अरब अमीरात के माध्यम से उनकी चार दिवसीय यात्रा ने रेखांकित किया है कि उन्होंने पारंपरिक गठबंधनों की कितनी नाटकीय रूप से पुनर्कल्पना की है और खुद को वैश्विक संघर्षों में शामिल किया है। सीरिया पर प्रतिबंधों

को समाप्त करने और 25 वर्ष में सीरियाई नेता से मिलने वाले पहले अमेरिकी राष्ट्रपति बनने का उनका निर्णय जोखिम और जुड़ाव का संकेत देता है। यह उनकी बदलती रणनीति का हिस्सा है। यह उनके कुछ सबसे कट्टर रूढ़िवादी सहयोगियों के दृष्टिकोण के साथ अच्छी तरह से फिट नहीं बैठता है। अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा के साथ बंद दरवाजे के पीछे हुई उनकी मुलाकात को उनकी यात्रा के सबसे महत्वपूर्ण क्षण के रूप में याद किया जाएगा। यात्रा के दौरान ट्रंप ने संकेत दिया कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान में तेजी से बढ़ते तनाव को कम करने में अग्रणी भूमिका निभाई । उन्होंने सुझाव दिया कि अगर तेहरान अमेरिकी अधिकारियों के साथ दोस्ताना वार्ता का पर्याप्त रूप से जवाब नहीं देता है, तो ईरान परमाणु वार्ता हिंसक रास्ता अपना सकती है। उन्होंने कहा कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन केवल तभी शांति वार्ता में शामिल होंगे जब वह (ट्रंप) व्यक्तिगत रूप से शामिल होंगे। ट्रंप ने अल उदीद एयर बेस पर सैनिकों से कहा, मेरी प्राथमिकता संघर्षों को समाप्त करना है, उन्हें शुरू करना नहीं। मैं संयुक्त राज्य अमेरिका या अपने भागीदारों की रक्षा के लिए यदि आवश्यक हो तो अमेरिकी शक्ति का उपयोग करने में कभी संकोच नहीं करूंगा। सीएनएन का विश्लेषण निष्कर्ष यह है कि ट्रंप कोई नया रास्ता अपना रहे हैं, लेकिन इस दौरान कई ऐसे पल आए जो उनके पहले कार्यकाल के विचारों से अलग थे।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप में एशियन किंग्स के लिए खेलेंगे रैना और दिलशान

एजेंसी

दिल्ली। 27 मई से 05 जून तक ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में होने वाली इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप (आईएलसी) के आगामी सीज़न में एशियन किंग्स को नई फ्रेंचाइज़ी के रूप में पेश किया गया है। टीम की सह मालिक, लीडरशिप एक्सपर्ट और नेटवर्क-बिल्डर प्रियंका कदम, प्रसिद्ध ज्योतिषी एवं 'एस्ट्रो स्पोर्ट' के लेखक डॉ. हेमंत जस्स की यह टीम पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना, श्रीलंका के पूर्व सलामी बल्लेबाज़ तिलकरत्ने दिलशान और अफगानिस्तान के पूर्व कप्तान असघर अफगान जैसे सितारों से सजी होगी। एशियन किंग्स को लेकर सह-मालकिन प्रियंका कदम ने कहा कि, एशियन किंग्स की सह-मालकिन बनना मेरे लिए गर्व की बात है, वहीं जब आपकी टीम का नेतृत्व सुरेश रैना, तिलकरत्ने दिलशान और असघर अफगान जैसे दिग्गजों के हाथ में हो तो ये खुशी दोगुनी हो जाती है। उन्होंने आगे कहा कि, हमारा उद्देश्य सिर्फ एक फ्रेंचाइजी का निर्माण करना नहीं है, बल्कि पूरे एशिया के प्रशंसकों को एक मंच से जोड़ना है। अपनी भावनाओं को साझा करते हुए टीम के दूसरे सह-मालिक डॉ. हेमंत जस्स ने कहा, मैं ज्योतिषी होने के साथ ही क्रिकेट का भी बहुत बड़ा प्रशंसक हूं, ऐसे में इतनी बड़ी लीग के जरिए एशियन टीम का सह मालिक बन पाना मेरे लिए बहुत भावनात्मक है। हमारी कोशिश रहेगी कि हम हर मैच में महाद्वीपीय गर्व और संघर्ष की भावना लेकर उतरें।

आईपीएल 2025 :पंजाब किंग्स, गुजरात टाइटंस और लखनऊ सुपरजाएंट्स ने की रिप्लेसमेंट की घोषणा

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 में खेल रही पंजाब किंग्स (पीबीकेएस), गुजरात टाइटंस (जीटी) और लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने अपने टीम में बदलाव की घोषणा की है। ये बदलाव चोटिल खिलाड़ियों की अनुपस्थिति और राष्ट्रीय टीम की सेवाओं में जा रहे खिलाड़ियों की पूर्ति के तौर पर किए गए हैं।

पंजाब किंग्स में काइल जैमीसन की एंट्री

पंजाब किंग्स ने न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज काइल जैमीसन को टीम में शामिल किया है। वे लोकी फर्ग्यूसन की जगह लेंगे, जो हैमस्ट्रिंग की चोट के चलते पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। जैमीसन को पंजाब की टीम ने 02 करोड़ रुपये में अनुबंधित किया है।

गुजरात टाइटंस में कुसल मेंडिस की एंट्री, जोस बटलर की जगह लेंगे

गुजरात टाइटंस ने श्रीलंकाई बल्लेबाज कुसल मेंडिस को इंग्लिश खिलाड़ी जोस बटलर के स्थान पर टीम में शामिल किया है। बटलर 25 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आखिरी लीग मुकाबले के बाद 26 मई से इंग्लैंड की राष्ट्रीय टीम के लिए उपलब्ध रहेंगे। कुसल मेंडिस को गुजरात टाइटंस ने 75 लाख रुपये में अनुबंधित किया है और वे 26 मई से टीम के साथ जुड़ेंगे।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025: बिहार का ऐतिहासिक प्रदर्शन और शानदार मेजबानी ने रचा नया अध्याय

पटना। खेलों के इतिहास में बिहार ने आज एक नया अध्याय जोड़ा। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का पटना स्थित पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में रंगारंग समापन हुआ, जिसमें राज्य ने न केवल खेल प्रतिभा बल्कि मेजबानी के स्तर पर भी पूरे देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया। 04 मई से 15 मई तक चले इस भव्य आयोजन में देशभर के 10,000 से अधिक खिलाड़ियों और उनके सहयोगी दलों ने भाग लिया। समापन समारोह में बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, केंद्रीय युवा एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे और मुख्य सचिव अमृत लाल मीणा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए बिहार की नई खेल पहचान को सराहा।

बिहार ने रचा इतिहास:बिहार ने इस बार खेलो इंडिया यूथ गेम्स में 7 स्वर्ण, 11 रजत और 18 कांस्य पदकों के साथ कुल 36 पदक जीते। वर्ष 2023 की तुलना में यह उपलब्धि 620त्न की ऐतिहासिक वृद्धि है। झारखंड को पीछे छोड़ते हुए बिहार ने 14वां स्थान हासिल किया, जो राज्य की बढ़ती खेल क्षमताओं का स्पष्ट प्रमाण है।

बंगाल वारियर्स ने नवीन कुमार को टीम का मुख्य कोच किया नियुक्त

मुम्बई। बंगाल वॉरियर्स ने प्रो कबड्डी लीग के अगले सीजन के लिए नवीन कुमार को टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। हरियाणा से ताल्लुक रखने वाले कबड्डी के दिग्गज खिलाड़ी नवीन कुमार का एथलीट और कोच दोनों का अच्छा खासा अनुभव है। फ्रैंचाइची का मानना है कि उनकी जानकारी, जीतने की मानसिकता और जूझारू क्षमता वॉरियर्स के लिए फायदेमंद होगी। बंगाल वॉरियर्स के नए कोच नवीन कुमार का खेल में शानदार ट्रैक रिकॉर्ड है। उन्होंने 10वें दक्षिण एशियाई खेलों (2006), 15वें एशियाई खेलों (2006), दूसरे विश्वकप (2007) और दूसरे इनडोर एशियाई खेलों (2007) सहित कई टूर्नामेंटों में स्वर्ण पदक जीते हैं।

इटालियन ओपन 2025: रूड को हराकर सिनर सेमीफाइनल में पहुंचे

एजेंसी

रोम। इटली के जैनिक सिनर ने कैस्पर रूड को सीधे सेटों में 6-0, 6-1 से हराकर इटालियन ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है, जबकि कोको गॉफ ने चीन की झेंग किनवेन के साथ तीन सेटों तक चले मैराथन मुकाबले में जीत हासिल कर महिला वर्ग के फाइनल में प्रवेश किया। अमेरिकी गॉफ खिताबी मुकाबले में इटली की जैस्मीन पाओलिनी से भिड़ेंगी। उन्होंने साढ़े तीन घंटे तक चले मैच में 7-6 (7/3), 4-6, 7-6 (7/4) से जीत हासिल की।तीन महीने के डोपिंग प्रतिबंध से वापस आने के बाद से रोम में रूड, सिनर के लिए सबसे कठिन चुनौती थे, क्योंकि इस महीने की शुरुआत में मैड्रिड में जीत के बाद नॉर्वे का यह खिलाड़ी क्ले पर शानदार फॉर्म में था। अपने पिछले मैचों में सिनर पिछले साल मार्च में क्लोस्टेबोल के लिए सकारात्मक

परीक्षण के लिए विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी से निलंबन स्वीकार किए जाने के बाद अभी भी अपने पैरों पर खड़े दिख रहे थे। लेकिन 23 वर्षीय खिलाड़ी ने टेनिस के शानदार प्रदर्शन के साथ मात्र एक घंटे से भी कम समय में छठी वरीयता प्राप्त रूड को हरा दिया। दूसरी तरफ, पूर्व यूएस ओपन विजेता कोको गॉफ ने ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट झेंग के खिलाफ लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इस मुकाबले में गॉफ ने अपनी सर्विस पर 15 डबल फॉल्ट किए, जबकि दोनों खिलाड़ियों की ओर से कुल 156 अनफोर्स्ड एरर (ग़लतियां) देखने को मिलीं। 21 वर्षीय गॉफ इस सीज़न का अपना पहला खिताब जीतने की कोशिश कर रही हैं।

इससे पहले वह मैड्रिड ओपन के फाइनल में आर्यना सबालेंका से हार गई थीं। अब अपने दूसरे फाइनल में वह इटली की पाओलिनी से भिड़ेंगी, जहां उन्हें घरेलू दर्शकों के कारण कहीं ज़्यादा जोश और दबाव वाला माहौल देखने को मिलेगा – जो कि पिछले मुकाबले की सुस्त भीड़ से बिल्कुल अलग होगा, जिसने आधी रात के बाद तक मैच देखा।

तस्कीन अहमद ने की शॉन टेट की तारीफ, कहा- टी20 विश्व कप में मददगार साबित होंगे नए कोच

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद ने टीम के नए फास्ट बॉलिंग कोच शॉन टेट की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज के टीम से जुड़ने से विशेष रूप से टी20 क्रिकेट में टीम को काफी फायदा मिलेगा। तस्कीन ने यह बयान शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पत्रकारों से बातचीत के दौरान दिया। तस्कीन ने कहा, वो (टेट) बहुत अच्छे फास्ट बॉलर थे और ऑस्ट्रेलिया के लिए लंबे समय तक खेले। सबसे बड़ी बात ये है कि हमारे सामने अब काफी टी20 क्रिकेट है और उन्होंने आधुनिक टी20 युग में खेला है। ऐसे में उनके पास बड़े टूर्नामेंट्स का अनुभव है और इससे हमें फायदा होगा। उन्होंने आगे कहा, जब आप नेशनल सेटअप में होते हैं तो कोच गेम अवेयरनेस और कुछ तकनीकी पहलुओं में मदद करते हैं, लेकिन अधिकतर गेंदबाजों को खुद कोचिंग करनी होती है। हालांकि जब आपके साथ टेट जैसे बड़ी शख्सियत होते हैं, तो चीजें आसान हो जाती हैं।फिलहाल तस्कीन अपनी एड़ी की चोट से उबर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभी तक पांच सेशन पूरे हो चुके हैं और उन्होंने हल्की गेंदबाजी भी शुरू कर दी है। तस्कीन ने कहा, क्रिकेट बोर्ड के फिजियो, ट्रेनर और इंग्लैंड के स्पेशलिस्ट मिलकर एक रिहैब प्लान पर काम कर रहे हैं। अब तक किसी तरह की दिक्कत नहीं हुई है और अगर सब कुछ ठीक रहा तो जून में होने वाली श्रीलंका सीरीज में वापसी की उम्मीद है। बता दें कि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने हाल ही में शॉन टेट को तेज गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। इससे पहले आंद्रे एडम्स इस भूमिका में थे।

ब्राजील फुटबॉल महासंघ अध्यक्ष एडनाल्डो रोड्रिग्स पद से हटाए गए

एजेंसी

रियो डी जनेरियो। ब्राजील फुटबॉल महासंघ (सीबीएफ) में बड़ा प्रशासनिक उलटफेर हुआ है। रियो डी जनेरियो के एक जज ने सीबीएफ के अध्यक्ष एडनाल्डो रोड्रिग्स को उनके पद से हटा दिया है और जल्द से जल्द नए चुनाव कराने का आदेश दिया है। यह फैसला उस समय आया है जब कुछ ही दिन पहले रोड्रिग्स ने इटालियन कोच कार्लो एंसेलोटी को ब्राज़ील की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम का नया कोच नियुक्त किया था। अब रोड्रिग्स ने देश की सुप्रीम कोर्ट में अपील दाखिल कर दोबारा पद पर बहाल होने की मांग की है।

रोड्रिग्स का कार्यकाल घोषित, लेकिन कानूनी अड़चन

मार्च 2025 में रोड्रिग्स को दोबारा 2030 तक के लिए सीबीएफ अध्यक्ष चुना गया था, लेकिन जज गैब्रिएल डी ओलिवेरा जेफ़ीरो ने उस समझौते को अमान्य करार दिया जिसके तहत उन्हें पहले कार्यकाल की वैधता मिली थी। अदालत ने कहा कि उस समझौते के बिना रोड्रिग्स दोबारा चुनाव लड़ने के पात्र नहीं थे।

वाइस प्रेसिडेंट सरने ने संभाली कमान

इस फैसले के बाद सीबीएफ के सबसे वरिष्ठ उपाध्यक्ष फर्नांडो सरने ने

संगठन की जिम्मेदारी संभाल ली है और नए चुनाव कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। उन्होंने कहा, सभी खेल गतिविधियां और मौजूदा अनुबंध सुरक्षित रहेंगे। हालांकि यह साफ नहीं है कि एंसेलोटी का करार कानूनी रूप से अभी मान्य है या नहीं। टीवी ग्लोबो से बात करते हुए सरने ने कहा, मैं इस पद पर अस्थायी रूप से हूं। मेरा लक्ष्य जल्द से जल्द चुनाव कराना है ताकि कोर्ट की लड़ाई खत्म हो सके। फुटबॉल चलता रहेगा। यह दूसरी बार है जब रोड्रिग्स को अदालत के आदेश से पद से हटाया गया है। इससे पहले दिसंबर 2023 में भी कोर्ट ने उन्हें पद से हटाया था, जब वह एंसेलोटी के साथ बातचीत कर रहे थे। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने बाद में उन्हें बहाल कर दिया था। जनवरी 2024 में सीबीएफ के उपाध्यक्षों ने एक आपसी समझौता कर रोड्रिग्स के पहले कार्यकाल को मान्यता दी थी, ताकि वे फिर से चुनाव लड़ सकें। लेकिन अब जज जेफ़ीरो ने उस समझौते को अवैध करार दिया है, क्योंकि उसमें हस्ताक्षर करने वाले एक सदस्य – 86 वर्षीय एंटोनियो कार्लोस नून्स की मानसिक स्थिति को लेकर संदेह जताया गया है जज के मुताबिक नून्स को 2018 में ब्रेन कैंसर का पता चला था और तभी से उनकी मानसिक क्षमता सवालों के घेरे में है। अदालत ने सोमवार को नून्स की मानसिक स्थिति पर सुनवाई निर्धारित की थी, लेकिन उसी दिन एंसेलोटी की नियुक्ति की घोषणा के कुछ घंटे बाद ही यह सुनवाई स्थगित कर दी गई।

सबसे अधिक कमाई करने वाले एथलीटों की सूची में क्रिस्टियानो रोनाल्डो शीर्ष पर

एजेंसी

नई दिल्ली। स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो फोर्ब्स की 2025 की दुनिया के 50 सबसे अधिक कमाई करने वाले एथलीटों की सूची में शीर्ष पर हैं। उन्होंने मई 2024 और मई 2025 के बीच 275 मिलियन डॉलर कमाए हैं। यह उनका लगातार तीसरा वर्ष है जब वे रैंकिंग में शीर्ष पर हैं। शीर्ष 50 एथलीटों ने सामूहिक रूप से रिकॉर्ड 4.23 बिलियन डॉलर कमाए।

जो पिछले साल के 3.88 बिलियन डॉलर से अधिक है। लियोनेल मेस्सी 135 मिलियन डॉलर के साथ पांचवें स्थान पर हैं। कोई भी महिला एथलीट इस सूची में शामिल नहीं है। कोको गॉफ़ 19.2 मिलियन डॉलर से मामूली अंतर से चूक गई। इसी तरह, इस साल कोई भी भारतीय एथलीट रैंकिंग में शामिल नहीं है।

शीर्ष दस सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एथलीट

1 - क्रिस्टियानो रोनाल्डो (फुटबॉल) - 275 मिलियन अमेरिकी डॉलर

2 - स्टीफन करी (बास्केटबॉल) - 156 मिलियन अमेरिकी डॉलर

3 - टायसन फ्यूरी (बॉक्सिंग) - 146 मिलियन अमेरिकी डॉलर

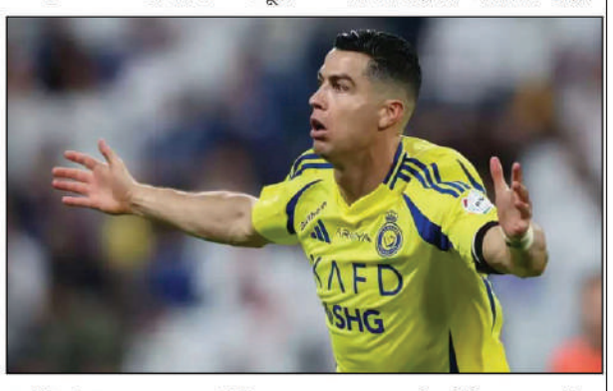

4 - डैक प्रेस्कॉट (एनएफएल) - 137 मिलियन अमेरिकी डॉलर

5 - लियोनेल मेस्सी (फुटबॉल) - 135 मिलियन अमेरिकी डॉलर

6 - लेब्रोन जेम्स (बास्केटबॉल) - 133.8 मिलियन अमेरिकी डॉलर

7 - जुआन सोटो (बेसबॉल) - 114 मिलियन अमेरिकी डॉलर

8 - करीम बेंजेमा (फुटबॉल) - 104 मिलियन अमेरिकी डॉलर

9 - शोही ओहतानी (बेसबॉल) - 102.5 मिलियन अमेरिकी डॉलर

10 - केविन ड्यूरेंट (बास्केटबॉल) - 101.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर

प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 की नीलामी 31 मई और 1 जून को मुंबई में

एजेंसी

मुंबई। मशाल स्पोर्ट्स ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 के लिए प्लेयर ऑक्शन की तारीखों का ऐलान कर दिया है। यह बहुप्रतीक्षित नीलामी 31 मई और 1 जून 2025 को मुंबई में आयोजित की जाएगी। सीजन 11 की शानदार समाप्ति के बाद अब प्रो कबड्डी एक बार फिर नई शुरुआत के लिए तैयार है। पिछले साल 29 दिसंबर 2024 को समाप्त हुए सीजन 11 में हरियाणा स्टीलर्स ने पहली बार खिताब अपने नाम किया था। फाइनल मुकाबले में उन्होंने तीन बार की चैंपियन पटना पाइरेट्स को हराकर इतिहास रच दिया था। प्रो कबड्डी लीग की शुरुआत 2014 में हुई थी और अब तक 11 सीजन में 8 अलग-अलग चैंपियन बन चुके हैं। सीजन 11 लीग के दूसरे दशक की शुरुआत का प्रतीक

रहा, जिसने पीकेएलको भारत की सबसे सफल और लोकप्रिय खेल लीगों में शामिल कर दिया है। सीजन 12 की यह नीलामी एक और शानदार सीजन की शुरुआत का संकेत है–जहां फिर से राइवलरी देखने को मिलेगी, चैंपियन टीम अपनी ट्रॉफी बचाने उतरेगी, और देश-विदेश से जुड़े फैंस कबड्डी के जोश को नए स्तर पर ले जाएंगे। मशाल स्पोर्ट्स के बिजनेस हेड और प्रो कबड्डी लीग के चेयरमैन अनुपम गोस्वामी ने कहा, हमें सीजन 12 की नीलामी की तारीखों की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह नीलामी सिर्फ खिलाड़ियों की खरीद-फरोख्त का मंच नहीं है, बल्कि यह दिखाता है कि टीमें कितनी रणनीतिक, महत्वाकांक्षी और प्रदर्शन के प्रति प्रतिबद्ध हैं। यह भारत के इस देशी खेल के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतिभा को सामने लाने का भी माध्यम है। एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एकेएफआई) के संरक्षण में मशाल स्पोर्ट्स और जियोस्टार ने मिलकर पीकेएल को देश की सबसे बड़ी खेल लीगों में से एक बना दिया है।

वेस्टइंडीज ने अपने खिलाड़ियों को आईपीएल 2025 में खेलने को दी मंजूरी, जीटी और आरसीबी को राहत

एजेंसी

नई दिल्ली। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूआई) ने फैसला किया है कि भले ही वेस्टइंडीज टीम मई में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज खेलेगी, लेकिन इसके बावजूद खिलाड़ियों को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल 2025) में खेलने की अनुमति दी जाएगी। यह फैसला खासतौर पर गुजरात टाइटंस (जीटी) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) जैसी फ्रेंचाइजी के लिए राहत की खबर है, जिनके अहम खिलाड़ी इंटरनेशनल कमिटमेंट्स के कारण अनुपलब्ध हो सकते थे। शेरफेन रदरफोर्ड ने इस सीजन में गुजरात टाइटंस के लिए 11 मैचों में 299 रन बनाए हैं, औसत 38 और स्ट्राइक रेट 159 का रहा है। वो अक्सर इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में खेले और टीम को संकट से निकालते रहे। वहीं, रोमारियो शेफर्ड ने आरसीबी के लिए एकमात्र पारी में 53 रन बनाए थे, वो भी 378 के स्ट्राइक रेट से - जो मैच जिताऊ पारी साबित हुई। इस वक्त आईपीएल में आठ वेस्टइंडीज खिलाड़ी खेल रहे हैं - रदरफोर्ड, शेफर्ड, आंद्रे रसेल, सुनील नारायण, रोवमैन पॉवेल (तीनों केकेआर), निकोलस पूरन, शमर जोसेफ (दोनों एलएसजी) और शिमरोन हेटमायर (राजस्थान रॉयल्स)। इनमें से सिर्फ तीन - रदरफोर्ड, शेफर्ड और जोसेफ - को वेस्टइंडीज की वनडे सीरीज के लिए चुना गया है।

वर्ल्ड कप क्वालिफायर के लिए अर्जेंटीना टीम में लौटे लियोनेल मेसी, चिली और कोलंबिया से होंगे मुकाबले

एजेंसी

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना फुटबॉल टीम को वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबलों से पहले बड़ी राहत मिली है। कप्तान लियोनेल मेसी एक बार फिर टीम में वापसी कर रहे हैं। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने यह घोषणा की कि मेसी जून में होने वाले वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबलों में चिली और कोलंबिया के खिलाफ मैदान में उतरेंगे।

मार्च में नहीं खेल पाए थे मेसी: 37 वर्षीय इंटर मियामी स्टार मेसी मार्च में चोट की वजह से टीम का हिस्सा नहीं थे। उन्हें ग्रोइन (एडडक्टर) में चोट थी। इसके बावजूद अर्जेंटीना ने उरुग्वे और ब्राज़ील को हराकर अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर लिया था।

अर्जेंटीना का कार्यक्रम

अर्जेंटीना टीम 5 जून को चिली के खिलाफ उसका घरेलू मैदान में भिड़ेगी, जो अभी संघर्ष कर रही है।

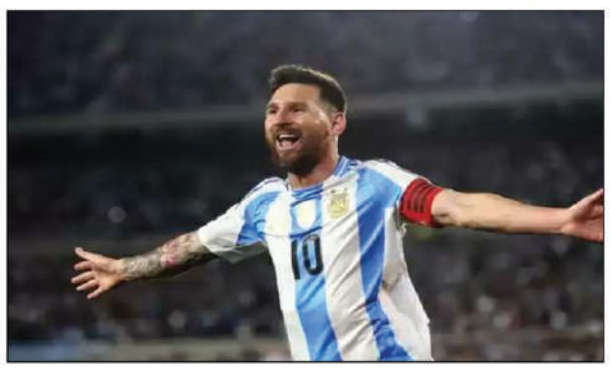

इसके बाद 10 जून को ब्यूनस आयर्स में छठे स्थान पर काबिज कोलंबिया से मुकाबला होगा। इन दोनों मुकाबलों के बाद मेसी अमेरिका लौट जाएंगे, जहां 14 जून को इंटर मियामी क्लब वर्ल्ड कप के पहले मुकाबले में मिस्र के अल-अहली से भिड़ेगा।

गार्नाचो की वापसी, डिबाला बाहर: कोच लियोनेल स्कालोनी ने 28 खिलाड़ियों की टीम घोषित की है, जिसमें मैनचेस्टर यूनाइटेड के युवा फॉरवर्ड एलेजांद्रो गार्नाचो की वापसी हुई है। उन्हें पिछली बार रणनीतिक कारणों से टीम से बाहर रखा गया था। वहीं चोटिल पाउलो डिबाला और गोंजालो मोंटीएल टीम का हिस्सा नहीं हैं।

ओटामेंडी, एनज़ो और पारेडेस निलंबित

पहले मैच में डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी और मिडफील्डर एनज़ो फर्नांडीज़ व लिआंद्रो पारेडेस नहीं खेल पाएंगे क्योंकि वे निलंबन की सजा झेल रहे हैं। हालांकि तीनों को स्क्वाड में शामिल किया गया है। डिफेंडर मार्कोस अकुन्या और जर्मन पेज़ेला को भी इस बार टीम में जगह नहीं मिली है।

इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय महिला एकदिवसीय और टी20 टीम का ऐलान, श्रृंखला की शुरुआत 28 जून से

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने इंग्लैंड दौरे के लिए भारत की सीनियर महिला टीम की घोषणा कर दी है। इस दौरे पर भारत की महिला टीम 28 जून 2025 से 22 जुलाई तक पांच टी20 और तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में जून-जुलाई में टी20 और एकदिवसीय श्रृंखला के लिए इंग्लैंड जाने वाली चयनित भारतीय टीम में शेफाली वर्मा को टी20 टीम में जगह दी गई है। शेफाली लंबे समय के बाद भारतीय टीम में वापसी करेंगी, हालांकि उन्हें वनडे टीम का हिस्सा नहीं बनाया गया है।

ऑलराउंडर की भूमिका निभाने को लेकर बेन स्टोक्स आशान्वित,कहा- इस बार रिकवरी बेहतर रही

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स ने इस गर्मी में जिम्बाब्वे और भारत के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज़ में एक ऑलराउंडर के रूप में अपनी पूरी भूमिका निभाने को लेकर बहुत, बहुत आत्मविश्वास जताया है। स्टोक्स पिछले पांच महीनों से हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरने में जुटे थे। उन्होंने कहा कि इस बार उन्होंने अपनी रिकवरी को पहले से बेहतर तरीके से संभाला है। स्टोक्स को यह चोट पिछले साल अगस्त में 'द हंड्रेड' टूर्नामेंट के दौरान लगी थी। हालांकि वे पाकिस्तान के खिलाफ अक्टूबर में टेस्ट खेलने के लिए लौटे थे, लेकिन दो महीने बाद न्यूजीलैंड में गेंदबाज़ी करते समय फिर से वही चोट उभर आई थी। इस बार उन्होंने पूरी सावधानी बरती है ताकि भारत और ऑस्ट्रेलिया जैसी बड़ी सीरीज से पहले पूरी तरह फिट हो सकें। स्काई स्पोर्ट्स को दिए इंटरव्यू में स्टोक्स ने कहा, मैं बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं। हालांकि ट्रेनिंग और असली मैच में फर्क होता है। चाहे आप ट्रेनिंग में कितना भी पसीना

बहा लें, मैच की तीव्रता को दोहराना मुश्किल होता है। लेकिन मेरी भूमिका एक खिलाड़ी के रूप में–चौथे सीमर की तरह गेंदबाज़ी करना, नंबर 6 पर बल्लेबाज़ी करना और हर मौके पर टीम के लिए मैच बदलने की कोशिश करना–वही रहेगी। मुझे पूरा विश्वास है कि मैं फिर से वैसा ही प्रदर्शन कर सकता हूं जैसा पहले कर चुका हूं।पिछली बार जल्दबाज़ी में वापसी करने के अपने फैसले पर स्टोक्स ने कहा, उस वक्त मुझे लगा कि मुझे जल्दी वापसी करनी है, लेकिन इससे मैंने खुद को नुकसान पहुंचाया। इस बार मेडिकल टीम और मैंने तय किया कि हम इसे पूरी तरह से सही करेंगे। शुरू के दो महीने काफी धीमे और थकाऊ थे, लेकिन इस बार शारीरिक और मानसिक रूप से यह सफर उतना मुश्किल नहीं रहा।स्टोक्स ने यह भी बताया कि उन्होंने कोच ब्रेंडन मैकुलम से चर्चा की है ताकि वे खुद को ज्यादा थकान से बचा सकें। हमने आपसी बातचीत में ये तय किया है कि ब्रेंडन मुझे इस तरह की चीज़ों में और बेहतर तरीके से मार्गदर्शन देंगे। मैं अब 33 साल का हूं और नहीं चाहता कि मैं अनावश्यक रूप से मैदान से बाहर रहूं।

बार्सिलोना ने जीता ला लीगा 2024-25 का खिताब, यामाल के गोल ने दिलाई जीत

एजेंसी

कॉर्नेला डे लोब्रेगेट (स्पेन)। बार्सिलोना ने गुरुवार देर रात ला लीगा 2024-25 खिताब पर कब्जा जमा लिया, जब उसने स्थानीय प्रतिद्वंद्वी एस्पेन्योल को 2-0 से हराया। 17 वर्षीय स्टार लामिन यामाल ने 53वें मिनट में गोल दागकर टीम को बढ़त दिलाई, और इंजुरी टाइम में फर्मिन लोपेज़ के गोल ने जीत पक्की कर दी। इस जीत के साथ हांसी फ्लिक की टीम रियल मैड्रिड से सात अंक आगे निकल गई है, जबकि लीग में केवल दो मुकाबले बाकी हैं। इसी के साथ बार्सिलोना ने अपना 28वां ला लीगा खिताब जीत लिया और घरेलू ट्रेबल (ला लीगा, कोपा डेल रे और स्पेनिश सुपर कप) भी पूरा कर लिया। दिलचस्प बात यह है कि बार्सिलोना ने यह खिताब उसी एस्पेन्योल के मैदान पर जीता, जहां 2023 में भी उसे खिताबी जीत मिली थी। हालांकि उस समय नाराज़ दर्शकों ने खिलाड़ियों को मैदान से भागने पर मजबूर कर दिया था। इस बार भी एस्पेन्योल फैंस की नाराज़गी दिखी, लेकिन उन्होंने सिर्फ मैदान पर पानी के फव्वारे चला दिए जिससे बार्सिलोना के जश्न को जल्दी समाप्त करना पड़ा।

पहले हाफ में संघर्ष, फिर चमका बार्सिलोना

पहले हाफ में बार्सिलोना ने भले ही गेंद पर कब्जा बनाए रखा, लेकिन वह कोई खास मौका नहीं बना सका। एस्पेन्योल ने काउंटर अटैक से परेशान किया और उनके खिलाड़ी जावी पुआदो को गोल करने का अच्छा मौका भी मिला, जिसे वोज्शेच शेज़नी ने शानदार तरीके से बचा लिया। दूसरे हाफ में यामाल ने शानदार अंदाज़ में गोल करके बर्फ तोड़ी। उन्होंने दाईं विंग से अंदर आते

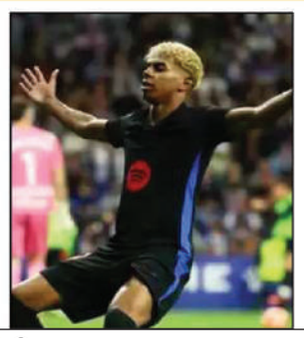

हुए बॉक्स के बाहर से शानदार कर्लिंग शॉट मारा, जो सीधे टॉप कॉर्नर में गया। यह गोल उनकी स्पेन के लिए यूरो 2024 सेमीफाइनल में किए गए गोल की याद दिला गया।

10 खिलाड़ी बचे एस्पेन्योल ने किया संघर्ष, लेकिन नहीं बचा सके हार

62वें मिनट में एस्पेन्योल को झटका लगा जब लेएंड्रो कैब्रेरा को यामाल के पेट में कोहनी मारने के चलते रेड कार्ड दिखाया गया। इसके बावजूद एस्पेन्योल ने दबाव बनाए रखा, लेकिन आखिरी समय में फर्मिन लोपेज़ ने गोल दागकर उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

मैच से पहले हादसा, लेकिन कोई गंभीर रूप से घायल नहीं

मैच से पहले एक हादसे में कुछ एस्पेन्योल फैंस एक कार की चपेट में आ गए। हालांकि पुलिस ने इसे दुर्घटना बताया और किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं मिली।

अब बस चैंपियंस लीग की कमी

इस सीज़न में बार्सिलोना ने घरेलू स्तर पर शानदार प्रदर्शन किया और केवल चैंपियंस लीग ही एक ऐसा खिताब रहा, जो उससे दूर रह गया। लेकिन युवा खिलाड़ियों से सजी इस टीम ने भविष्य के लिए उम्मीदें जगा दी हैं।

हां तलाक हो चुका है, 4 साल पहले...23 साल की रीम शेख का चौंका देने वाला खुलासा

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस रीम शेख इन दिनों कलर्स टीवी के 'सेलिब्रिटी लाफ्टर शेफ्स' में खूब धूम मचा रही हैं. हमेशा अपनी बातों से सभी का खूब मनोरंजन करने वाली रीम ने हाल ही में अपनी मां के साथ किए एक पॉडकास्ट में खुद की पर्सनल लाइफ के बारे में हैरान करने वाले खुलासे किए हैं. रीम ने इस वीडियो अपने मम्मी-पापा के तलाक से लेकर अपनी सौतेली बहन के बारे में खुलकर बात की है. उन्होंने बताया कि उनकी मां का चार साल पहले तलाक हो गया है और उन्होंने ही अपनी मां से ये तलाक लेने के लिए कहा था. दरअसल रीम की मां शीतल हिंदू हैं, जबकि उनके पिता समीर शेख मुस्लिम हैं. अलग धर्मों के होने के बावजूद उनके घर में पूजा और नमाज दोनों ही होती थी.

रीम ने पॉडकास्ट में कहा, मेरे मम्मी-पापा अब एक साथ नहीं रहते और उनका तलाक हो चुका है. इस वीडियो के जरिए मैं उन सभी अटकलों पर फुल स्टॉप लगाना चाहती हूं, ताकि अब लोग हमारे बारे में गलत तरह की बातें करना और आपस में गॉसिप करना बंद करें. दरअसल मेरे मम्मी-पापा चार साल पहले ही एक दूसरे से अलग हो चुके हैं और हम सभी इस सदमे से उबर चुके हैं, लेकिन आज भी कुछ लोग इस बारे में बातें करते रहते हैं.

सौतेली बहन के राज से उठाया पर्दा

रीम ने आगे बताया कि उनकी एक सौतेली बहन भी है, जिसके साथ उनका बहुत अच्छा रिश्ता रहा है और वे अक्सर अपनी इस बहन के साथ फोटो भी शेयर करती हैं. दरअसल रीम की मां ने दूसरी शादी की है और ये उनकी दूसरी बेटी है. रीम ने इस बारे में बात करते हुए कहा कि अक्सर मेरी प्रोफाइल पर कई लोग कमेंट करते हुए पूछते हैं कि रीम और उसकी मां के साथ दिखने वाली दूसरी लड़की कौन है? तो मैं अब सबको बताना चाहती हूं कि वो मेरी सौतेली बहन है और पेशे से वो एक एयर होस्टेस है. मैं उसे सिर्फ अपनी बहन ही नहीं मानती, वो मेरे लिए बहन से कहीं बढ़कर है.

ट्रोलिंग पर क्या बोलीं?

रीम का कहना कि उनकी मां को बहुत बार सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया जाता है. उन्होंने कहा, मेरी मां को खूब ट्रोल किया जाता है, और ये सिलसिला अभी भी जारी है. लोग उनकी फोटो पर कमेंट करते हैं कि आपने अपनी बेटी की ड्रेस क्यों पहनी है? क्या आपको शर्म नहीं आती कि आप अपनी बेटी के कपड़े पहनकर घूम रही हो? अब हम दोनों की हाइट एक जैसी है, हमारा बॉडी टाइप एक जैसा है, तो हम एक-दूसरे के कपड़े क्यों नहीं शेयर कर सकते? क्या लोगों के पास इतना समय होता है कि वो अब ये सब भी नोटिस कर रहे हैं? लेकिन अब तो हम इन बातों पर हंसते हैं, हालांकि शुरुआत में मुझे ये सब देखकर बहुत गुस्सा आता था.

'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में बड़ा ट्विस्ट, अभिरा-अरमान के फैंस का टूटेगा दिल

टीवी का सुपरहिट सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' इन दिनों दर्शकों को अपनी कहानी से बांधे हुए है. आए दिन स्टार प्लस के इस शो में कुछ ऐसा हो रहा है कि जिसकी वजह से दर्शक अपनी नजरें स्क्रीन से हटा नहीं पा रहे हैं. लेकिन अब इस कहानी में एक ऐसा मोड़ आने वाला है, जो अरमान और अभिरा के चाहने वालों का दिल तोड़ सकता है. अभिरा और अरमान की बेटी पूकी आखिरकार घर आ गई है. लेकिन अरमान को इस बात का जरा भी भरोसा नहीं है कि अभिरा अपनी मासूम बच्ची की देखभाल ठीक से कर पाएगी.ये रिश्ता क्या कहलाता है में होने वाले इस हाई-वोल्टेज ड्रामे चलते राजन शाही का ये शो जल्द ही 5 से 7 साल का लीप लेगा. यानी अभिरा और अरमान की कहानी 5 साल आगे बढ़ जाएगी.सीरियल में आने वाले इस लीप के बाद अरमान और अभिरा की बेटी पूकी भी बड़ी हो जाएगी. लेकिन इसके साथ ही एक बड़ा झटका उन्हें लगने वाला है कि अभिरा और अरमान हमेशा के लिए एक-दूसरे से अलग हो जाएंगे.

अलग हो जाएंगे अभिरा और अरमान ?

दरअसल, 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' के नए प्रोमो में सीरियल में आने वाले लीप की एक झलक भी देखने मिली है. प्रोमो में दिखाया गया है कि पूकी की तबीयत खराब हो जाती है, जिससे अभिरा बहुत परेशान हो जाती है. तभी अरमान वहां आता है और वह अभिरा को जमकर बुरा-भला कहता है. अरमान गुस्से में इतना ज्यादा बौखला जाता है कि वो अभिरा की मां बनने की क्षमता और उसके मातृत्व पर भी सवाल खड़े कर देता है.

जल्द आएगा बड़ा ट्विस्ट

सीरियल के प्रोमो में आगे दिखाया जाता है कि गुस्से से आगबबूला अरमान अभिरा से उसकी बच्ची को छीन लेता है. वो कहता है कि शायद पूकी रूही के साथ सहज महसूस नहीं कर रही है. अरमान ये भी कहता है कि अभिरा का पूकी के साथ कोई रिश्ता नहीं है, क्योंकि अभिरा ने उसे जन्म नहीं दिया है. वो अपनी ही बच्ची के लिए महज एक अजनबी है.

टूट जाएगी अभिरा

जाहिर है, अरमान की ऐसी दिल तोड़ने वाली बातें सुनकर अभिरा पूरी तरह से टूट जाएगी. अब ऐसा लग रहा है कि बच्ची की वजह से दोनों के रिश्ते में इतनी कड़वाहट आ जाएगी कि आखिरकार दोनों एक दूसरे से अलग हो जाएंगे.

अनुष्का शर्मा की गोद में दिखे अकाय, वामिका भी आईं नजर, विराट कोहली संग कहां घूमने निकलीं एक्ट्रेस?

बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा हाल ही में अपने पति और दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली के साथ वृंदावन के मशहूर संत प्रेमानंद जी महाराज के आश्रम पहुंची थीं. जबकि अब एक बार फिर से अनुष्का शर्मा और विराट कोहली साथ नजर आए हैं. दोनों अनुष्का की मां के घर पहुंचे थे. इतना ही नहीं कपल के साथ उनके दोनों बच्चे भी मौजूद थे. लाडले अकाय जहां मां की गोद में नजर आए तो वहीं वामिका पास में ही खड़ी हुई थीं.

नानी के घर पहुंचे अकाय-वामिका

सोशल मीडिया पर विराट कोहली और अनुष्का शर्मा का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. इसमें दोनों के साथ अकाय और वामिका भी मौजूद हैं. बताया जा रहा है कि अनुष्का पति और बच्चों के साथ अपनी मां के घर पहुंची हैं. अनुष्का की मां ने अपने नाती अकाय को देखते ही उन्हें अपनी गोद में ले लिया. सोशल मीडिया पर ये वीडियो काफी पसंद किया जा रहा है.

अकाय-वामिका के बिना प्रेमानंद महाराज से मिले थे विराट-अनुष्का

अनुष्का और विराट जब अनुष्का की मां के घर पहुंचे तो उनके साथ दोनों बच्चे मौजूद रहे. लेकिन हाल ही में जब दोनों संत प्रेमानंद महाराज से मिलने पहुंचे थे तो उनके साथ अकाय और वामिका नहीं थे. हालांकि इससे पहले इसी साल जनवरी में दोनों ने जब संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की थी, तब वो अपने साथ अकाय और वामिका को भी लेकर आए थे.

'चकदा एक्सप्रेस' है अनुष्का की अगली फिल्म

अनुष्का शर्मा लंबे समय से फिल्मों से दूर हैं. वो अपना पूरा टाइम फिलहाल फैमिली के साथ बिता रही हैं. हालांकि उनकी फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' का फैंस को लंबे समय से इंतजार है. इसमें एक्ट्रेस भारत की पूर्व क्रिकेटर झूलन गोस्वामी के किरदार में नजर आने वाली हैं. बताया जा रहा है कि एक्ट्रेस इसका शूट पूरा कर चुकी हैं. पहले इसकी रिलीज टाल दी गई थी. अब देखना होगा कि ये पिक्चर कब रिलीज होती है.

विराट के टेस्ट रिटायरमेंट पर भावुक हुई अनुष्का

विराट कोहली ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था. इसके बाद फैंस के साथ ही अनुष्का भी इमोशनल हो गई थीं. उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने पति के लिए लिखा था, इसलिए टेस्ट क्रिकेट में वही सफल हुए जिनके पास कुछ कहने को कोई कहानी थी. लंबी कहानी जो गीली, सूखी, देशी, विदेशी हर पिच पर लिख कर भी खत्म न हो.

स्पेन के क्लब में मिस्ट्री मैन के साथ रोमांस करती दिखीं

प्रियंका चाहर चौधरी

अंकित के फैंस भड़क गए

पिछले कुछ समय से प्रियंका चाहर चौधरी और अंकित गुप्ता के ब्रेकअप की खबरें आ रही हैं. हालांकि, दोनों ने अबतक इस पर खुलकर कुछ भी नहीं कहा है, लेकिन इंस्टाग्राम पर अंकित और प्रियंका दोनों ने ही एक-दूसरे को अनफॉलो जरूर कर दिया है. अब वो दोनों साथ भी नजर नहीं आते हैं. अंकित के साथ ब्रेकअप की ख़बरों के बीच प्रियंका चाहर का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह मिस्ट्री मैन के साथ एक नाइट क्लब में कोजी होती नजर आ रही हैं. इस वीडियो में दोनों के बीच काफी नजदीकियां नजर आ रही हैं, जिसे देख एक्ट्रेस के फैंस भी हैरान हैं. कुछ फैंस ने गुस्से में आकर प्रियंका को काफी बुरा-भला कहा है.बिग बॉस फेम प्रियंका चाहर चौधरी के मिस्ट्री मैन संग कुछ वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं. ये वीडियोज स्पेन के खूबसूरत शहर इबिजा के हैं, जहां प्रियंका और मिस्ट्री मैन के साथ नाइट क्लब में इंजॉय करती हुई नजर आ रही हैं. इन वीडियो को एक्ट्रेस के फैन क्लब्स ने अपने सोशल मीडिया पेज पर शेयर किया है. इस वीडियो को देखने के बाद ही कुछ प्रियंकित (प्रियंका और अंकित) के फैंस प्रियंका की भर-भरकर बुराई कर रहे हैं. फैंस पूछ रहे हैं कि अंकित गुप्ता से ब्रेकअप के महज कुछ दिन बाद ही प्रियंका किसी और के साथ कैसे इन्वॉल्व हो सकती हैं? कुछ लोग इस वजह से प्रियंका को बहुत घटिया और बुरी बता रहे हैं.

कौन है प्रियंका का मिस्ट्री मैन

भले ही अपने इस मिस्ट्री मैन को लेकर प्रियंका चाहर चौधरी की तरफ से कोई पुष्टि नहीं की गई है. लेकिन कुछ यूजर्स का दावा है कि इस मिस्ट्री मैन का नाम डीजे हर्षी है, तो कुछ लोगों ने बताया है कि ये वही शख्स है जो पेशे से एक डॉक्टर है, फिलहाल अमेरिका में सैटल्ड है. प्रियंका 'बिग बॉस' के घर के अंदर अक्सर हर्ष के नाम का जिक्र किया करती थीं. इस वीडियो को देख कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि अंकित गुप्ता और प्रियंका दोनों ने ही जनता को बेवकूफ बनाया. एक्ट्रेस के फैंस उन्हें खूब खरी-खोटी सुनाकर ट्रोल रहे हैं.

फैन ने कहा घटिया

इस वीडियो को ङ्क पर शेयर करते हुए एक यूजर ने लिखा है, प्रियंका चाहर चौधरी, तुम सच में सबसे बुरी और घटिया लड़की हो. मुझे बिग बॉस में तुम्हारा साथ देने का अफसोस है. सच में तुमने एक ऐसे इंसान को धोखा दिया जिसे सच में तुम्हारी परवाह हो? इतना विक्टिम कार्ड किस लिए? तुम्हारा ब्रेकअप हुए अभी एक महीना भी नहीं हुआ है और तुम किसी और लड़के को किस कर रही हो? पागल हो क्या?

गया शहर का नाम बदला, अब गया जी नाम से जाना जाएगा

शहीदों के परिजनों को 50 लाख अनुग्रह अनुदान की स्वीकृति

पटना

गयाजी अबतक हम-आप श्रद्धा से कहते थे, लेकिन अब बिहार के गया जिले का नाम कागज पर भी यही हो गया है। बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने शुक्रवार को कैबेनिट से इसपर मुहर लगा दी। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से पौराणिक ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के शहर और जिले गया का नाम गयाजी करने का प्रस्ताव लाया गया, जिसे कैबिनेट ने स्वीकार कर लिया। इसके साथ ही, पूर्व उपमुख्यमंत्री, राज्य के पूर्व वित्त मंत्री और पूर्व राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी की जयंती पर 5 जनवरी को राजकीय समारोह होगा। मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के इस प्रस्ताव पर कैबिनेट ने स्वीकृति दी। एक अहम फैसले में सातवें केंद्रीय वेतनमान के अनुसार वेतन या पेंशन पाने वाले राज्यकर्मियों के डीए में 2% की बढ़ोतरी की है।

शहीदों के परिजनों को 50 लाख अनुग्रह अनुदान की स्वीकृति

ऑपरेशन सिंदूर में शहीद होने वालों को लेकर पिछले दिनों मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बड़ी घोषणा की थी।

उन्होंने शहीदों के परिजनों को 50 लख रुपए अनुग्रह राशि देने का ऐलान किया था। शुक्रवार को नीतीश कुमार कैबिनेट ने इस पर मोहर लगा दी। सरकार ने फैसला लिया है कि ऑपरेशन सिंदूर में सशस्त्र सेनन एवं केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के शहीद कर्मियों के निकटतम आश्रित को अनुग्रह अनुदान के रूप में 50 लख रुपए दिए जाएंगे।

आयुर्वेद की इस डिग्री को मान्यता देकर नियुक्ति का लिया फैसला

नीतीश कुमार कैबिनेट ने सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के मद्देनजर स्वास्थ्य विभाग के एक अहम प्रस्ताव को स्वीकृति दी। सिविल अपील संख्या 4643-4646/2003 में सर्वोच्च न्यायालय ने 1 नवंबर 2007 को एक फैसला दिया था। इस फैसले के आलोक में आयुर्वेदिक चिकित्सा पदाधिकारी एवं आयुष फिजिशियन की नियुक्ति हेतु बिहार तकनीकी सेवा आयोग की ओर से प्रकाशित विज्ञापन 4/2020 एवं 5/2020 के अंतर्गत कुल 47 ग्रेजुएट इन आयुर्वेदिक मेडिसीन एंड सर्जरी डिग्री धारक अभ्यर्थियों की डिग्री को प्रस्तुत संलेख की कंडिका में निहित शर्तों के तहत मान्य किया गया है।

एनआईए ने पंजाब में बबर खालसा आतंकी समूह से जुड़े 15 स्थानों पर की छापेमारी

नई दिल्ली

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने शुक्रवार को पंजाब के गुरदासपुर जिले में दिसंबर में हुए पुलिस थाने पर ग्रेनेड हमले के संबंध में बबर खालसा आतंकी समूह से जुड़े 15 स्थानों पर छापेमारी की। ये छापेमारी गुरदासपुर, बटाला, अमृतसर और कपूरथला में की गई। इस दौरान कई आपत्तिजनक सामग्री, मोबाइल और दस्तावेज जब्त किए गए। इन छापेमारी का लक्ष्य अमेरिका में स्थित बबर खालसा इंटरनेशनल (बीकेआई) ऑपरेटर और गैंगस्टर हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी पासियन से जुड़े संदिग्धों को पकड़ना था। हैप्पी के सहयोगियों में शमशेर सिंह शेरा उर्फ हनी भी शामिल है। पाकिस्तान में स्थित बीकेआई आतंकवादी हारविंदर सिंह उर्फ रिंदा को हाल ही में कई ग्रेनेड हमलों का मुख्य आरोपित माना गया है।

ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट से तिलमिला उठे नक्सली, निर्दोष ग्रामीणों को बना सकते हैं निशाना

नई दिल्ली

ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट में जहां नक्सलियों के बड़े कमांडर मारे जा चुके हैं और छोटी-छोटी टुकड़ियों में कुछ नक्सली भाग खड़े हुए हैं, उसके बाद सुरक्षा एजेंसियां और सतर्क हो गई हैं। यह आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है कि नेतृत्वविहीन हताश ये नक्सली निर्दोष ग्रामीणों को भी निशाना बनाने की कोशिश कर सकते हैं।

इस संबंध में खुफिया एजेंसियों से मिल रही जानकारी के बाद सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। सुरक्षा बलों को नक्सलियों को खोजने और खत्म करने के लिए आपरेशन को तेज करने को कह दिया गया है।

ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट को मिली सफलता

गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सुरक्षा बलों को ऑपरेशन ब्लैक फारेस्ट की सफलता के बाद नक्सल विरोधी अभियान को जारी रखने का निर्देश दिया है, ताकि अगले कुछ महीनों में नक्सलवाद मुक्त भारत के सपने को साकार किया जा सके।

कई नक्सली हेडक्वार्टर ध्वस्त

इस लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में अगले चार-पांच महीने अहम साबित हो सकते हैं। बीजापुर के विभिन्न कैंपों में तैनात सुरक्षा बल के वरिष्ठ अधिकारियों ने बातचीत में आपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट की सफलता और कुर्रगुट्टा पहाड़ी पर नक्सली हेडक्वार्टर को ध्वस्त करने के बाद निर्दोष ग्रामीणों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उनके पास आ रही सूचनाओं के अनुसार ग्रामीणों के बीच अपना दबदबा कायम रखने के लिए नक्सली भय का वातावरण बनाने की योजना बना रहे हैं।

भागे नक्सलियों की जानकारी जुटाने में लगे अधिकारी

पिछले कुछ दिनों ऐसी चार-पांच वारदात हो भी चुकी है। नक्सल विरोधी ऑपरेशन का नेतृत्व कर रहे सीआरपीएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि छोटी-छोटी टुकड़ियों में भागे नक्सलियों के जानकारी जुटाने का काम तेज कर दिया गया है और जानकारी मिलते ही ऑपरेशन भी किया जाएगा। इसके लिए पूरा प्लान तैयार है।

वहीं, सुरक्षा बलों ने नेतृत्व विहीन हो चुके नक्सलियों के निचले कैडर को आत्मसमर्पण के लिए तैयार करने के भी विशेष अभियान शुरू करने का फैसला किया है।

जलवायु परिवर्तन का वैश्विक प्रभाव कम करने के लिए भारत सरकार प्रतिबद्ध : भूपेन्द्र यादव

नई दिल्ली

भारत सरकार के वन तथा वातावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा है कि जलवायु परिवर्तन के वैश्विक प्रभाव से भारत बहुत ही गंभीरता से लेता है और इसके समाधान के लिए प्रतिबद्ध है। नेपाल सरकार की ओर से जलवायु परिवर्तन का हिमालयी क्षेत्रों पर पड़ने वाले असर को लेकर आयोजित सागरमाथा संवाद कार्यक्रम में भूपेन्द्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाले प्रभाव को कम करने के लिए सतत प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन में भारत की भूमिका न्यूनतम है, लेकिन उसके प्रभाव को कम करने के लिए प्रयास अधिकतम हो रहा है। अपने संबोधन के दौरान मंत्री भूपेन्द्र यादव ने माना कि जलवायु परिवर्तन का नकारात्मक असर हिमालयी क्षेत्र के देशों में हो रहा है। उन्होंने बताया कि भारत भी इसके प्रभाव से अछूता नहीं है। उनका कहना है कि भारत के हिमालयी क्षेत्र के प्रदेश की जनता की चिंता को राष्ट्रीय महत्व के साथ देखती है और उसे समाधान के उपायों को लेकर कार्य कर रही है।

कर्नाटक को पीएम ई-ड्राइव के तहत दी जाएंगी इलेक्ट्रिक बसें : कुमारस्वामी

नई दिल्ली

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने शुक्रवार को कहा कि केंद्र सरकार की प्रमुख पीएम ई-ड्राइव योजना के तहत कर्नाटक को चरणबद्ध तरीके से और प्राथमिकता के आधार पर इलेक्ट्रिक बसें दी जाएंगी। पीएम ई-ड्राइव पहल के तहत 9 प्रमुख शहरों को 14,000 इलेक्ट्रिक बसें आवंटित की जानी हैं। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच चर्चा में चार्जिंग स्टेशन, बस डिपो और वाहन रखरखाव प्रणाली सहित संबंधित बुनियादी ढांचे को शामिल किया गया है। दरअसल, भारी उद्योग मंत्रालय को कर्नाटक सरकार से एक औपचारिक प्रस्ताव मिला है, जिसमें केंद्र प्रायोजित पीएम ई-ड्राइव पहल के तहत इलेक्ट्रिक बसों के आवंटन की मांग की गई है।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस उत्तरी जिला उपायुक्त से मिले फेस्टा के सदस्य

दिव्य दिल्ली : तेलीवाड़ा से लेकर मिठाई पुल तक बढ़ती अपराधी घटनाओं व अन्य समस्याओं को लेकर फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन का प्रतिमंडल उत्तरी जिला उपायुक्त श्री राजा बांठिया जी से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौपा जिसमें फेडरेशन के चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा, अध्यक्ष राकेश यादव, कार्यकारिणी अध्यक्ष चौधरी योगेंद्र सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजीव छाबड़ा, महासचिव राजेंद्र शर्मा सहित अनेक व्यापारी उपस्थित थे।बैठक में व्यापारियों ने बताया तेलीवाड़ा चौक से मिठाई पुल तक आए दिन आपराधिक घटनाएं होती रहती है। जिसमें 5-6 लोगों का गैंग ग्रुप में आता है वह व्यापारियों व खरीदारों को टारगेट करता है। किसी का कैश छीन लेता है तो किसी का मोबाइल और कुछ कहने पर दुकानदारों को धमकी देते हैं और थाना बड़ा हिंदू राव पुलिस की गस्त ना के बराबर है उसे बढ़ाने की जरूरत है। सदर बाजार बाजार की सामाजिक व्यस्था पर लाहौरी गेट, बारा हिन्दू राव और ओल्ड सब्जी मंडी के थानाध्यक्षों की भूमिका गहन विचार विमर्श हुआ और पुल मिठाई महारानी अवंतिका बाई चौक का क्षेत्र केवल एक थाने निगरानी की किया जाए क्योंकि यहां पर लगातार आपराधिक घटनाएं होती हैं।

सीटीआई के नेतृत्व में व्यापारियों ने ली शपथ

दिव्य दिल्ली : दिल्ली के ITO पर व्यापारियों और फैक्ट्री मालिकों के शीर्ष संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री सीटीआई के नेतृत्व में तुर्किये और अजरबैजान के खिलाफ अभियान चलाया गया,सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल और उपाध्यक्ष राहुल अदलखा ने बताया कि आज सीटीआई के नेतृत्व में व्यापारियों ने शपथ ली कि तुर्किये और अजरबैजान के साथ किसी भी तरह का व्यापार नहीं किया जाएगा,साथ ही तमाम व्यापारी संगठनों ने ये भी शपथ ली कि वो भविष्य में कभी भी तुर्की और अजरबैजान की यात्रा नहीं करेंगे,सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल ने बताया कि आज के शपथ प्रोटेस्ट में कश्मीरी गेट, चांदनी चौक, चावड़ी बाजार, नया बाजार,खारी बावली, गांधी नगर, सदर बाजार, रोहिणी, करोल बाग, लाजपत नगर, सरोजनी नगर, कमला नगर , बवाना, नरेला आदि बाजारों और औद्योगिक क्षेत्रों के व्यापारियों ने हिस्सा लिया ,दिल्ली की सबसे बड़ी ट्रेवल एंड ट्यूर एजेंसी के डायरेक्टर मनोज खंडेलवाल ने बताया कि जिन लोगों ने तुर्की और अजरबैजान की यात्रा की बुकिंग कराई थी, उन सबने भी बुकिंग कैंसिल करा दी है,साथ ही ज्यादातर ट्रेवल एजेंसियों ने इन देशों की बुकिंग नहीं ले रहे हैं,सीटीआई कन्वेनर प्रियंका सक्सेना और उपाध्यक्ष राजेश खन्ना ने बताया कि 2024 में 2.75 लाख लोगों ने तुर्की और 2.25 लाख लोगों ने अजरबैजान की यात्रा की थी,इन दोनों देशों की कुल अर्थव्यवस्था में 12 - 14% ट्यूरिज्म सेक्टर का योगदान है जिसमें भारत के यात्रियों की अहम भूमिका है,अगर भारत के व्यापारी एवं लोग इन देशों की यात्रा नहीं करेंगे तो तुर्की और अजरबैजान की अर्थव्यवस्था पर गहरी चोट लगेगी,बृजेश गोयल ने बताया कि दिल्ली के सैकड़ों व्यापारी तुर्की और अजरबैजान को दिए गए आर्डर कैंसिल कर रहे हैं और इनके उत्पादों के लिए दूसरे देशों के विकल्प तलाश रहे हैं ,गौरतलब है कि भारत और तुर्की के बीच 2024 में 12.5 बिलियन डॉलर का व्यापार हुआ था और व्यापारी संगठनों के बहिष्कार से तुर्किये की अर्थव्यवस्था पर गहरी चोट लगी और अनुमान के मुताबिक तुर्किये को 1 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हो सकता है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने तुर्की और अजरबैजान के व्यापार बहिष्कार को दिया

दिव्य दिल्ली : कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स द्वारा होटल द ललित में आयोजित राष्ट्रीय व्यापारी सम्मेलन में पूर्व केंद्रीय मंत्री और कैट की स्ट्रैटेजिक एडवाइजर स्मृति ईरानी ने देशभर के व्यापारिक नेताओं द्वारा तुर्की और अजरबैजान के साथ सभी व्यापारिक संबंध समाप्त करने के निर्णय का पूर्ण समर्थन किया। उन्होंने इस निर्णय को भारतीय सेनाओं के शौर्य और पराक्रम के प्रति सम्मान की भावना से प्रेरित बताया और देशभक्ति से ओत-प्रोत बताया।ईरानी ने मंच से व्यापारियों की राष्ट्रसेवा भावना को नमन करते हुए उअक्ळ से आग्रह किया कि वह नेशनल डिफेंस फंड (राष्ट्रीय रक्षा कोष) में व्यापारियों से स्वेच्छा से योगदान देने के लिए एक अभियान चलाए, जिससे शहीद सैनिकों के परिवारों की सहायता में व्यापार समुदाय भी सक्रिय भूमिका निभा सके।इस अवसर पर उन्होंने घोषणा की:एक पूर्व सांसद होने के नाते मुझे जो पेंशन मिलती है, वह मैंने आज तक नहीं ली है। अब मैं यह पूरी पेंशन नेशनल डिफेंस फंड को समर्पित कर रही हूं। यह मेरा कर्तव्य है और मेरा सौभाग्य भी।ह्वउन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह कोई सरकारी आदेश नहीं, बल्कि एक भावनात्मक अपील है—उन माताओं, बहनों और पत्नियों के नाम, जिनके अपनों ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है।अपने संबोधन में उन्होंने कहा ह्वदेश के कोने-कोने में जब छोटे व्यापारी अपने व्यापारिक हितों को त्यागकर मातृभूमि के सम्मान के लिए खड़े हो रहे हैं, तब यह त्याग भी राष्ट्र निर्माण में एक अमूल्य योगदान है। हम सबका दायित्व है कि अपने सैनिकों और उनके परिवारों के लिए जितना संभव हो, उतना करें।ह्वउन्होंने सभी व्यापारियों और देशवासियों से आह्वान किया कि वे नेशनल डिफेंस फंड में स्वेच्छा से योगदान करें और इस पवित्र कार्य का हिस्सा बनें। ईरानी के इस भावुक संबोधन और संकल्प का सम्मेलन में उपस्थित सभी व्यापारिक नेताओं ने गर्मजोशी से स्वागत किया और तालियों की गड़गड़ाहट से उनके विचारों का समर्थन किया।उअक्ळ ने ईरानी के इस सुझाव को स्वीकार करते हुए घोषणा की कि संगठन देशभर में व्यापारियों के बीच जागरूकता अभियान चलाकर नेशनल डिफेंस फंड में प्रभावी योगदान सुनिश्चित करेगा।

लेखक सलमान रुश्दी पर चाकू से हमला करने वाले को 25 साल की सजा

मेविल

लेखक सलमान रुश्दी पर चाकू से किए गए हमले में दोषी पाए गए शख्स को शुक्रवार को 25 साल जेल की सजा सुनाई गई। न्यूयार्क में 2022 में एक कार्यक्रम के दौरान उनपर मंच पर चढ़कर हमला किया गया था। हमले में उनकी एक आंख की रोशनी चली गई थी। जूरी ने 27 वर्षीय हादी मातर को फरवरी में हत्या के प्रयास और हमले का दोषी पाया था।

मुकदमे के दौरान 77 वर्षीय लेखक मुख्य गवाह थे। उन्होंने बताया कि कैसे उन्हें लगा कि वह मर रहे हैं, जब एक नकाबपोश हमलावर ने उनके सिर और शरीर पर एक दर्जन से अधिक बार चाकू घोंपा।

जानिए दोषी ने क्या कहा?

सजा सुनाए जाने से पहले मातर ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बारे में एक बयान दिया जिसमें उन्होंने रुश्दी को पाखंडी बताया। उसने कहा कि सलमान रुश्दी अन्य लोगों का अपमान करना चाहता है। वह दूसरे लोगों को धमकाना चाहता है, जिससे मैं सहमत नहीं हूं। मातर को रुश्दी की हत्या के प्रयास के लिए अधिकतम 25 साल की सजा सुनाई गई और मंच पर मौजूद एक अन्य व्यक्ति को घायल करने के लिए सात साल की सजा सुनाई गई।

आईपीयू में राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर रैली का आयोजन

दिव्य दिल्ली : आईपी यूनिवर्सिटी में राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर आज द्वारका कैम्पस में एक रैली निकाली गई।यह रैली यूनिवर्सिटी द्वारा डेंगू को लेकर चलाए जा रहे जागरूकता अभियान का हिस्सा थी।इस रैली में यूनिवर्सिटी के इस कैम्पस स्थित सभी स्कूलों के छात्रों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।अपने आस-पास की जगह को कैसे साफ-सुथरा रखें ताकि डेंगू का लार्वा नहीं पनपे, इस जागरूकता रैली में लोगों को स्लोगन एवं चित्र कथा के माध्यम से जागरूक किया गया।इस कार्यक्रम का आयोजन यूनिवर्सिटी के एनएसएस सेल के सौजन्य से किया गया। इस सेल के कार्यक्रम संयोजक प्रो. वरुण जोशी ने बताया कि डेंगू से बचाव एवं रोकथाम जरूरी है।इसके लिए हर स्तर पर जन जागरूकता जरूरी है।उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में इसका प्रकोप बढ़ जाता है। इसके मद्देनजर हमें जरूरी एहतियात बरतने होंगे।इस जागरूकता रैली में एनएसएस सेल के सभी पदाधिकारियों ने भाग लिया।

बिहार ने की खेलो इंडिया की शानदार मेजबानी

खेलों को लेकर बना नया माहौल, 10 हजार खिलाड़ियों और सहयोग कर्मियों के खानपान, यातायात से लेकर आवासन तक की बेहतरीन व्यवस्था

दिव्य दिल्ली : खेलों के राष्ट्र स्तरीय आयोजनों में बिहार का नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज हो गया है। इसकी मुख्य वजह खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का 4 से 15 मई तक सफलतापूर्वक आयोजित होना है। सूबे के पांच शहरों पटना, नालंदा (राजगीर), गया, भागलपुर और बेगूसराय में इसके लिए खासतौर से इंतजाम किए गए थे। 28 विभिन्न विधाओं के खेलों में शामिल होने आए 10 हजार से अधिक खिलाड़ी और उनके सहयोग कर्मी के ठहरने, भोजन से लेकर उनके आवागमन के लिए राज्य सरकार के स्तर से बेहतरीन प्रबंध किए गए थे। इसकी प्रशंसा दूसरे राज्यों से आए सभी खिलाड़ियों ने भी की। इसके लिए पटना, गया, राजगीर, भागलपुर और बेगूसराय के विभिन्न होटलों से लेकर राजकीय अतिथिशाला में तमाम मूलभूत सुविधाएं मुहैया कराई गई थीं। ताकि खिलाड़ियों को किसी तरह की समस्या नहीं हो। इंडोर खेलों के लिए अलग से व्यवस्था की गई थी। सभी इंडोर खेल कोर्ट में गर्मी से बचने के लिए एसी से लेकर अन्य जरूरी संसाधन मुहैया कराए गए थे। बोधगया स्थित बिपार्ड में मौजूद अंतरराष्ट्रीय स्तर के 30 मीटर लंबे स्वीमिंग पुल में तैयारी से संबंधित सभी प्रतियोगिताएं संपन्न कराई गईं। इसी तरह यहां आयातीत रबर से खासतौर से बने जॉगिंग ट्रैक पर कुछ प्रतियोगिताएं हुईं। जिन मैदानों में मलखम, योग, थांगटा जैसे खेलों का आयोजन कराया गया था, वहां खासतौर से जर्मन हैंगर बनाए गए थे, जिससे खिलाड़ी और दर्शकों को इस भीषण गर्मी में भी समस्या नहीं हो। अलग खेल विभाग बनाने से हुई इसकी शुरूआत बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की खेलों को प्रोत्साहित करने की अपनी दूरदर्शी सोच के तहत युवाओं को इसे एक बेहतरीन करियर विकल्प के तौर पर अपनाने की प्रेरणा प्रदान करने के लिए पिछले कुछ वर्षों में कई अहम निर्णय लिए। अलग खेल विभाग बनाने से इसकी स्थापना हुई। इसके बाद सभी जिलों में खेल मैदान, स्टेडियम का कायाकल्प, पटना में पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स का निर्माण, राजगीर में अंतरराष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम एवं खेल परिसर समेत अन्य कई सुविधाएं तैयार की गईं। इससे खेल की आधारभूत संरचना से लेकर अन्य सभी तरह की सुविधाएं विकसित की गई। इसी का परिणाम है कि खेलो इंडिया से पहले यहां सेपक टाकरा का विश्व कप, राजगीर में महिला हॉकी का एशिया कप जैसे बेहद खास आयोजन कराए गए। बिहार की सभी पंचायतों में खेल मैदान विकसित करने की राज्य सरकार की खास योजना का क्रियान्वयन तेजी से किया जा रहा है। ताकि पंचायत स्तर पर ही युवाओं को खेल का सीधा माहौल मिले और वे इससे लाभ ले सकें।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397